

भारत की जनगणना 2001

श्रृंखला - 30

कर्नाटक

2001 का पेपर 1

जनसंख्या के अनन्तिम आंकड़े

एच. शशिधर

जनगणना निदेशक

कर्नाटक

प्रगणितों और प्रगणकों को आभार सहित समर्पित

विषय सूची

पृष्ठ संख्या

इस पेपर के विषय में 9

आंकड़े एक दृष्टि में - भारत 10

आंकड़े एक दृष्टि में - कर्नाटक 11

भारत तथा राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के आंकड़ो पर एक दृष्टि 12-13

भारत की जनगणना 2001, कर्नाटक - विशेषताएँ 15

जनगणना कार्य - एक विशाल सामूहिक प्रयास 19-28

जनगणना तंत्र का संगठनात्मक चार्ट 29

जनसंख्या के अनन्तिम आंकड़े 2001 का संक्षिप्त विश्लेषण 35-36

सारणियाँ

सारणियों के लिए टिप्पणी 37

सारणी 1 - राज्यों और जिलों के लिए जनसंख्या वितरण, प्रतिशत दशकीय वृद्धि दर, स्त्री-पुरुष अनुपात और जनसंख्या का घनत्व 39

सारणी 2 - राज्य और जिलों के लिए 1901 से जनसंख्या का प्रतिशत दशकीय अंतर 40

सारणी 3 - राज्य और जिलों के लिए 1901 से स्त्री-पुरुष अनुपात 41

सारणी 4 - राज्य और जिलों में स्त्री-पुरूष के अनुसार 0-6 आयु समूह की जनसंख्या, साक्षरों की संख्या और साक्षरता दर 42-43

विवरणियाँ

विवरण 1 -	1991 और 2001 में जनसंख्या के आकार के अनुसार जिलों का रैंक	44
विवरण 2 -	1991 और 2001 में स्त्री-पुरुष अनुपात के अनुसार जिलों का रैंक	45
विवरण 3 -	1991 और 2001 में जनसंख्या के घनत्व के अनुसार जिलों का रैंक	46
विवरण 4 -	राज्य के लिए साक्षरता दर 1961 - 2001	47
विवरण 5 -	1991 और 2001 में राज्य और जिलों के लिए स्त्री-पुरुष के अनुसार साक्षरता दरें	48

मानचित्र

मानचित्र 1 -	2001 में भारत में कर्नाटक की स्थिति	49
मानचित्र 2 -	प्रशासनिक प्रभाग 2001	50
मानचित्र 3 -	प्रतिशत दशकीय वृद्धि दर 1991 - 2001	51
मानचित्र 4 -	जनसंख्या का घनत्व 2001	52
मानचित्र 5 -	स्त्री-पुरुष अनुपात 2001	53
मानचित्र 6 -	व्यक्तियों और स्त्रियों के लिए साक्षरता दर, 2001	54
मानचित्र 7 -	गणना ब्लाक का नजरी नक्शा	55

चार्ट

चार्ट 1 -	राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों की जनसंख्या का तुलनात्मक आकार	56
चार्ट 2 -	जिलों का क्षेत्रफल और जनसंख्या का तुलनात्मक आकार, 2001	57

चार्ट 3 -	जनसंख्या और निवल दशकीय वृद्धि 1901 - 2001	58
चार्ट 4 -	प्रतिशत दशकीय जनसंख्या वृद्धि 1901 - 2001	59-60
चार्ट 5 -	स्त्री-पुरुष अनुपात 1901 - 2001	61
चार्ट 6 -	जिलों में स्त्री-पुरुष अनुपात की प्रवृत्तियाँ *1901- 2001*	62-63
चार्ट 7 -	जिलों की साक्षरता दर 2001	64
चार्ट 8 -	महिला जनसंख्या दर, 2001	65

कार्टून **16-18**

फोटोग्राफ **30-34 & 70-72**

मकानसूची अनुसूची की प्रति 66-67

परिवार अनुसची की प्रति 68-69

इस पेपर के विषय में

भारत की जनगणना 2001 जो 9-28,फरवरी 2001 के दौरान संपन्न हुई थी, के पश्चात,, आँकड़े प्रयोक्ताओं में मूल जनसंख्या आंकड़ो की मांग क्रमशः बढ़ रही है। जनगणना समाप्त होने के तुरंत बाद मूल आंकड़ों को यथाशीघ्र उपलब्ध कराने के महत्व से हम वाकिफ हैं। चूंकि एकत्रित किए गए आंकड़ों के संसाधन में अभी कुछ समय लगेगा, अत: जनसंख्या आंकड़ों को तुरंत अनन्तिम रूप में प्रकाशित करना आवश्यक हो गया है और इसी दृष्टि से यह पेपर प्रकाशित किया गया है ।

इन आंकड़ों को अनन्तिम कहा गया है क्योंकि यह आंकड़े प्रगणकों और पर्यवेक्षकों द्वारा संकलित सार पर आधारित है। यह हमारा अनुभव है कि अनन्तिम और अन्तिम आंकड़ों में न्यूनतम अंतर होता है। अनन्तिम आंकड़े तीन किश्तों में प्रकाशित किए जाते हैं।

वर्तमान पेपर अर्थात् 2001 का पेपर - 1 में कर्नाटक राज्य और जिलों की जिलेवार कुल जनसंख्या, पुरुष और स्त्रियां, कुल व्यक्ति, 0-6 आयु वर्ग के पुरुष और स्त्रियां तथा कुल साक्षर व्यक्ति, पुरुष और स्त्रियों के आंकड़े दिए गए हैं। इन आंकड़ों से जनसंख्या वृद्धि दर, जनसंख्या घनत्व, स्त्री-पुरुष अनुपात तथा साक्षरता दर जिलेवार निकाला गया है। इनका विस्तृत उल्लेख सारणियों, विवरणियों, मानचित्रों एवं चार्टों में प्रस्तुत किया गया है। कुछ सम्बद्ध कार्टून तथा चित्र भी शामिल किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, पृष्ठभूमिका के तौर पर "जनगणना कार्य - एक विशाल सामूहिक प्रयास" शीर्षक टिप्पणी शामिल की गई है। इस टिप्पणी में जनगणना कैसे की जाती है, जनगणना के प्रारंभिक कार्य का विस्तृत वर्णन, जनगणना 2001 की नई विशेषताएं और जनगणना संबंधी साधारण बांते तथा विशेष तौर पर कर्नाटक में जनगणना 2001 के बारे में उल्लेख किया गया है। अनन्तिम जनसंख्या आंकड़ों के मुख्य पहलूओं पर विशेष ध्यान देते हुए संक्षिप्त विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

2001 का पेपर 2 अप्रैल 2001 में प्रकाशित होने की संभावना है। इसमें मुख्य रूप से ग्रामीण-नगरीय अनन्तिम जनसंख्या आंकड़े और उनकी विशिष्टताएं तथा नगरों और शहरों में जनसंख्या वृद्धि दर शामिल की जाएगी।

2001 का पेपर 3, जो अनन्तिम आंकड़े श्रृंखला का अंतिम प्रकाशन होगा, में कर्मियों संबंधी आंकड़े और उनकी विशेषताओं पर आधारित होगा। यह जून 2001 तक प्रकाशित हो जाएगा ।

विस्तृत और वास्ताविक रिपोर्ट सामान्य सारणीकरण योजना के अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से प्रकाशित होगी।

अब से जनगणना 2001 में एकत्रित बहुमुखि आंकड़ों का संसाधन शुरु होगा।

(27 मार्च 2001 को प्रकाशित)

आंकड़ें एक दृष्टि में - भारत

			1991	2001
राज्यों/सं.रा.क्षे. की संख्या			32	35
क्षेत्रफल वर्ग कि. मी. में			3,065,027.00	3,065,027.00
कुल जनसंख्या	व्यक्ति		8,38,583,988	1,027,015,247
	पुरूष		435,216,358	531,277,078
	महिला		403,367,630	495,738,169
दशकीय वृद्धि दर			**1981-91**	**1991-2001**
	वास्तविक		161,242,280	180,627,359
	प्रतिशत		+23.81	+21.34
जनसंख्या का घनत्व (प्रति वर्ग कि.मी.)			267	324
स्त्री-पुरुष अनुपात			927	933
(प्रति 1000 पुरुषों की तुलना में स्त्रियां)				
0-6 जनसंख्या				
	व्यक्ति	वास्तविक	150,421,175	157,863,145
		प्रतिशत	17.94	15.42
	पुरुष	वास्तविक	77,322,151	81,911,041
		प्रतिशत	17.77	15.47
	महिला	वास्तविक	73,099,024	75,952,104
		प्रतिशत	18.12	15.36
साक्षरता				
	व्यक्ति	वास्ताविक	359,284,417	566,714,995
		प्रतिशत	52.21	65.38
	पुरुष	वास्तविक	229,531,935	339,969,048
		प्रतिशत	64.13	75.85
	महिला	वास्तविक	129,752,482	226,745,947
		प्रतिशत	39.29	54.16

(स्रोत : भारत का महारजिस्ट्रार, नई दिल्ली)

भारत और राज्यों / सं. रा. क्षे. के आंकड़े एक दृष्टि में, जनसंख्या वितरण, दशकीय वृद्धि दर, स्त्री-पुरुष अनुपात और जनसंख्या का घनत्व

क्र. सं.	भारत / राज्य / सं. रा. क्षेत्र	जनसंख्या 2001			दशकीय प्रतिशत वृद्धि दर		स्त्री-पुरुष अनुपात (प्रति 1000 पुरूषों की तुलना में स्त्रियां)		जनसंख्या घनत्व प्रति वर्ग कि. मी.	
		व्यक्ति	पुरुष	स्त्रि	1981-91	1991-01	1991	2001	1991	2001
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	भारत [1,2]	**1,027,015,247**	**531,277,078**	**495,738,169**	**23.86**	**21.34**	**927**	**933**	**267**	**324**
1	जम्मू और कश्मीर [3]	10,069,917	5,300,574	4,769,343	30.34	29.04	896	900	77	99
2	हिमाचल प्रदेश [4]	6,077,248	3,085,256	2,991,992	20.79	17.53	976	970	93	109
3	पंजाब	24,289,296	12,963,362	11,325,934	20.81	19.76	882	874	403	482
4	चंडीगढ़ *	900,914	508,224	392,690	42.16	40.33	790	773	5,632	7,903
5	उत्तरांचल	8,479 ,562	4,316,401	4,163,161	24.23	19.20	936	964	133	159
6	हरियाणा	21,082,989	1,327,658	9,755,331	27.41	28.06	865	861	372	477
7	दिल्ली *	13,782,976	7,570,890	6,212,086	51.45	46.31	827	821	6,352	9,294
8	राजस्थान	56,473,122	29,381,657	27,091,465	28.44	28.03	910	922	129	165
9	उत्तर प्रदेश	166,052,859	87,466,301	78,586,558	25.55	25.80	876	898	548	689
10	बिहार	82,878,796	43,153,964	39,724,832	23.38	28.43	907	921	685	880
11	सिक्किम	540,493	288,217	252,276	28.47	32.98	878	875	57	76
12	अरुणाचल प्रदेश	1,091,117	573,951	517,166	36.83	26.21	859	901	10	13
13	नागालैण्ड	1,988,636	1,041,686	946,950	56.08	64.41	886	909	73	120
14	मणिपुर	2,388,634	1,207,338	1,181,296	29.29	30.02	958	978	82	107
15	मिज़ोरम	891,058	459,783	431,275	39.70	29.18	921	938	33	42
16	त्रिपुरा	3,191,168	1,636,138	1,555,030	34.30	15.74	945	950	263	304
17	मेघालय	2,306,069	1,167,840	1,138,229	32.86	29.94	955	975	79	103
18	असम	26,638,407	13,787,799	12,850,608	24.24	18.35	923	932	286	340
19	पश्चिम बंगाल	80,221,171	41,487,694	38,733,477	24.73	17.34	917	934	767	904
20	झारखंड	26,909,428	13,861,277	13,048,151	24.03	23.19	922	941	274	338
21	उड़ीसा	36,706,920	18,612,340	18,094,580	20.06	15.94	971	972	203	236
22	छत्तीसगढ़	20,795,956	10,452,426	10,343,530	25.73	18.06	985	990	130	154
23	मध्यप्रदेश	60,385,118	31,456,873	28,928,245	27.24	24.34	912	920	158	196
24	गुजरात [5]	50,596,992	26,344,053	24,252,939	21.19	22.48	934	921	211	258

भारत और राज्यों / सं. रा. क्षे. के आंकड़ों एक दृष्टि में, जनसंख्या वितरण, दशकीय वृद्धि दर, स्त्री-पुरुष अनुपात और जनसंख्या का घनत्व

क्र. सं.	भारत / राज्य / सं. रा. क्षेत्र	जनसंख्या 2001			दशकीय प्रतिशत वृद्धि दर		स्त्री-पुरुष अनुपात (प्रति 1000 पुरूषों की तुलना में स्त्रियां)		जनसंख्या घनत्व प्रति वर्ग कि. मी.	
		व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	1981-91	1991-01	1991	2001	1991	2001
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
25	दमन और दीव *	158,059	92,478	65,581	28.62	55.59	969	709	907	1,411
26	दादरा और नागर हवेली *	220,451	121,731	98,720	33.57	59.20	952	811	282	449
27	महाराष्ट्र	96,752,247	50,334,270	46,417,977	25.53	22.57	934	922	257	314
28	आन्ध्र प्रदेश	75,727,541	38,286,811	37,440,730	24.20	13.86	972	978	242	275
29	**कर्नाटक**	**52,733,958**	**26,856,343**	**25,877,615**	**21.12**	**17.25**	**960**	**964**	**235**	**275**
30	गोवा	1,343,998	685,617	658,381	16.08	14.89	967	960	316	363
31	लक्षद्वीप *	60,595	31,118	29,477	28.47	17.19	943	947	1,616	1,894
32	केरल	31,838,619	15,468,664	16,369,955	14.32	9.42	1,036	1,058	749	819
33	तमिलनाडु	62,110,839	31,268,654	30,842,185	15.39	11.19	974	986	429	478
34	पांडिचेरी *	973,829	486,705	487,124	33.64	20.56	979	1,001	1,683	2,029
35	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह *	356,265	192,985	163,280	48.70	26.94	818	846	34	43

*** टिप्पणियां :**

1: भारत की जनसंख्या में गुजरात राज्य के पूरे कच्छ जिले, राजकोट जिले के मोरवी, मलिया-मियाना और वांकानेर तालूकों, जामनगर जिले वे जोडिया तालूक और हिमाचल प्रदेश राज्य के पूरे किन्नौर जिले की अनुमानित जनसंख्या शामिल है जहां प्राकृतिक आपदाओं के कारण भारत की जनगणना 2001 के दौरान जनसंख्या की गणना नहीं कराई जा सकी थी ।

2. भारत और जम्मू एवं कश्मीर का घनत्व निकालने के लिए जम्मू और कश्मीर के उन भागों के क्षेत्रफल और जनसंख्या को हिसाब से नहीं लिया गया है जो पाकिस्तान और चीन के गैरकानूनी तौर पर कब्जे में हैं ।

3. 1991 के लिए जम्मू और कश्मीर की जनसंख्या की प्रतिशत दशकीय वृद्धि निकालने के लिए जनसंख्या आंकड़ों को अन्तर्वेशित करके निकाला गया है क्योंकि अशांत परिस्थितियों के कारण इस राज्य में 1991 की जनगणना नहीं कराई जा सकी थी ।

4. हिमाचल प्रदेश के सामने दर्शाए गए आंकड़े हिमाचल प्रदेश के पूरे किन्नौर जिले की अनुमानित जनसंख्या को मिलाकर निकाले गए हैं क्योंकि वहां प्राकृतिक आपदा के कारण भारत की जनगणना 2001 के दौरान जनसंख्या की गणना नहीं कराई जा सकी थी ।

5. गुजरात के सामने दर्शाए गए आंकड़े गुजरात राज्य के पूरे कच्छ जिले, राजकोट जिले के मोरवी, मलिया-मियाना और वांकानेर तालुकों, जामनगर जिले के जोडिया तालुक की अनुमानित जनसंख्या को मिलाकर निकाले गए हैं क्योंकि वहां प्राकृतिक आपदा के कारण भारत की जनगणना 2001 के दौरान जनसंख्या की गणना नहीं कराई जा सकी थी ।

जनगणना 2001, कर्नाटक - विशेषताएं

प्रशासनिक इकाईयाँ

1991 में राज्य में 20 जिले थे जो अब बढकर 27 हो गए हैं।

जनसंख्या

कर्नाटक की 52.73 लाख की जनसंख्या में दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 1991 के 21.12 प्रतिशत से घट कर 17.25 प्रतिशत रह गई है ।

राज्य के जिलों में बेंगलूर में 60.5 लाख से अधिक की जनसंख्या सर्वाधिक है और कोडगू में 5 लाख की न्यूनतम जनसंख्या है।

राज्य की जिलों में दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर उडुपी में न्यूनतम 6.88 प्रतिशत रही जबकी बेंगलूर में यह सबसे अधिक 34.80 प्रतिशत दर्ज की गई ।

1991-2001 के दशक में 0-6 आयु वर्ग में जनसंख्या में 6.5 लाख की कमी हुई ।

घनत्व

राज्य में जनसंख्या का घनत्व 1991 में 235 से बढकर 2001 में 275 प्रति वर्ग कि. मी. हो गया है ।

राज्य के जिलों में बेंगलूर का क्षेत्रफल सबसे कम है (2190 वर्ग कि. मी.) और जनसंख्या घनत्व सबसे अधिक (2979 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी.) है ।

गुलबर्गा का क्षेत्रफल सबसे अधिक है (16224 वर्ग कि. मी.) और यहाँ का जनसंख्या घनत्व 193 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. है। राज्य के जिलों में उत्तर कन्नड में सबसे कम जनसंख्या घनत्व है (132 व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी.) ।

स्त्री-पुरुष अनुपात

राज्य में स्त्री/पुरुष अनुपात (प्रति 1000 पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या) 1991 में 960 से बढकर 2001 में 964 हो गई है ।

उडुपी में स्त्री-पुरुष अनुपात 1127 है जो सबसे अधिक है और बेंगलूर में 906 है जो सबसे कम है ।

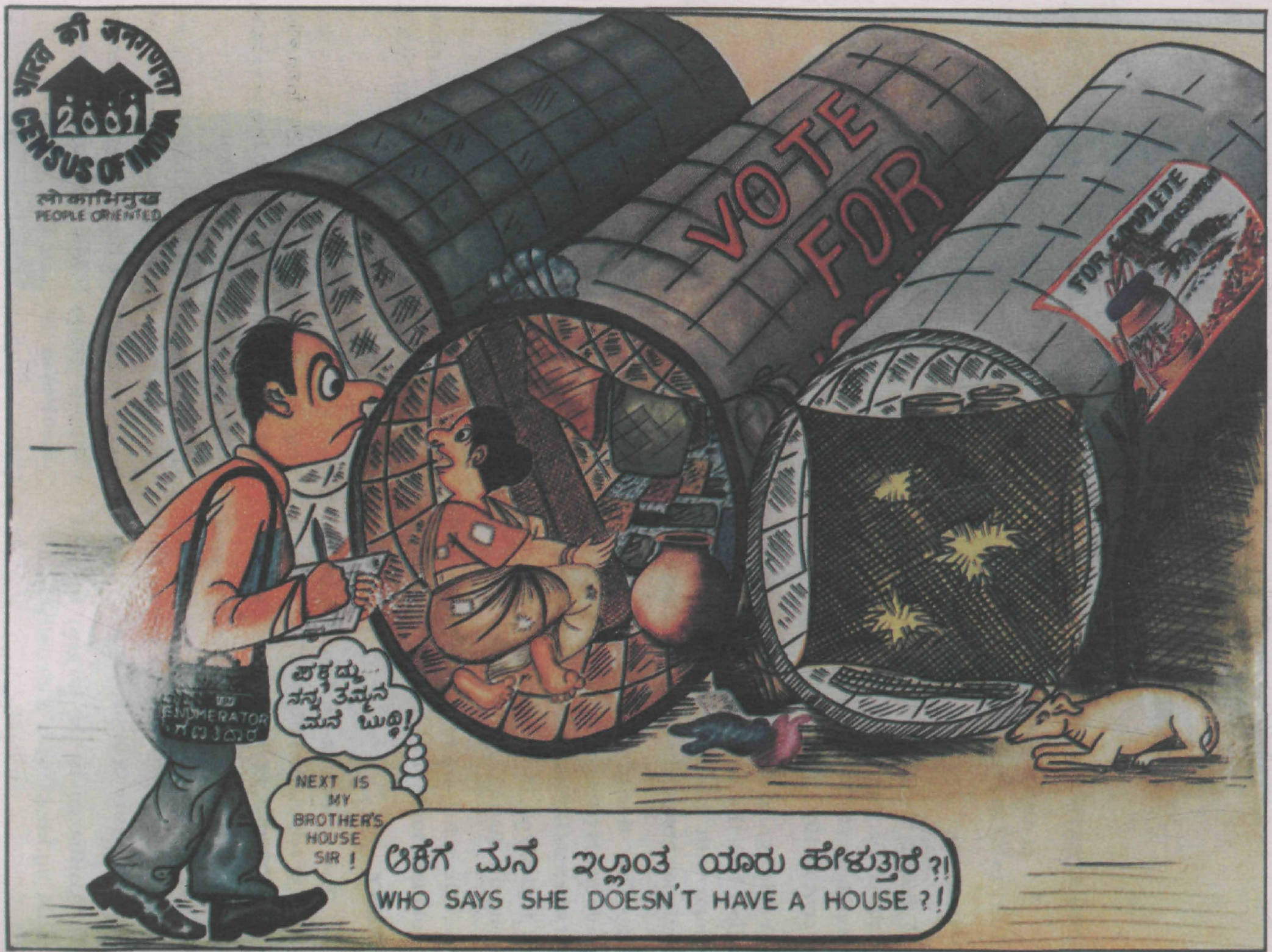
साक्षरता

राज्य में साक्षरता दर 1991 के 56.04 प्रतिशत से बढकर 2001 में 67.04 प्रतिशत हो गयी ।

राज्य में महिला साक्षरता दर 1991 के 44.34 प्रतिशत से बढकर 57.45 प्रतिशत और पुरुषों में साक्षरता दर 1991 के 67.26 प्रतिशत से बढकर 76.29 प्रतिशत हो गई ।

राज्य के जिलों में बेंगलूर में 83.91 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर हैं जो सर्वाधिक है और रायचूर में साक्षरता दर 49.54 प्रतिशत है जो न्यूनतम है।

राज्य के जिलों में दक्षिण कन्नड में पुरुषों में साक्षरता दर सबसे अधिक है (89.74 प्रतिशत) जबकि बेंगलूर में महिलाओं में साक्षरता दर सबसे अधिक है (78.98 प्रतिशत)


भारत की जनगणना
2001
CENSUS OF INDIA
लोकाभिमुख
PEOPLE ORIENTED
VOTE FOR
ENUMERATOR
ಪಕ್ಕದ್ಮನೆ ನನ್ನ ತಮ್ಮನ ಮನೆ ಬುಧಿ!
NEXT IS MY BROTHER'S HOUSE SIR !
ಠಿಕೆಗೆ ಮನೆ ಇಲ್ಲಾಂತ ಯಾರು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ?!
WHO SAYS SHE DOESN'T HAVE A HOUSE ?!

5 - 3DCO / Karnataka / 2002



WILLING AND ACTIVE CO-OPERATION OF THE PEOPLE ! !


ಈ ಬಾರಿ ಜನಗಣತಿಯಲ್ಲಿ ಅಂಗವಿಕಲರ ಗಣತಿ
THIS TIME ENUMERATION OF THE DISABLED IN CENSUS
भारत की जनगणना 2001 CENSUS OF INDIA
लोकाभिमुख PEOPLE ORIENTED
ಓ, ನಮ್ಮ ಆತ್ಮೀಯ ಗಣತಿದಾರರೇ
ಎರಡು ದಶಕಗಳವರೆಗೆ ನೀವೆಲ್ಲಿದ್ದಿರಿ ?
O ! OUR DEAR ENUMERATOR, WHERE WERE
YOU FOR LAST TWO DECADES ?
?

जनगणना 2001 में मकानसूचीकरण की नई मदें

मकानसूचीकरण कार्यों में पहली बार निम्नलिखित विषयों संबंधी प्रश्न शामिल किए गए :

(1) मकानों की स्थिति, (2) परिवार में रह रहे दम्पतियों की संख्या, (3) विवाहित दम्पतियों की संख्या जिनके पास अलग शयन कक्ष हैं, (4) जल-निकास की सुविधाएँ, (5) मकान के अंदर स्नानघर, (6) मकान के अंदर रसोईघर, (7) परिवार के पास उपलब्ध रेडियो/ट्रान्सिस्टर/टेलीविजन/ टेलीफोन, (8) परिवार के पास वाहन गाड़ी जैसे साइकिल/ स्कूटर/मोटर साइकिल/मोपेड/कार/जीप की उपलब्धता, (9) परिवार द्वारा बैंकिंग सेवाओं का उपयोग

जनगणना 2001 में जनसंख्या की गणना के नए विषय

इसी प्रकार जनसंख्या गणना के लिए निम्नलिखित नए प्रश्नों को शामिल किया गया (1) विवाह के समय पुरुषों की आयु, (2) विकलांगता (1951 के बाद दूसरी बार), (3) कार्य स्थल की दूरी और वहाँ पहुँचने के लिए प्रयोग किया गया वाहन, (4) काश्तकारी और बागान में कार्यरत परिवार, (5) उत्तरदाता का नाम और परिवार के मुखिया से उसका संबंध, (6) उत्तरदाता के हस्ताक्षर अथवा अँगूठा निशान ।

तकनीकी क्रान्ति

भारत की जनगणना में जनगणना 2001 से तकनीकि क्रान्ति लाए जाने की सम्भावना है। अनुसूचियों के कुछ प्रश्न स्वतः कोड किए गए हैं जो संसाधन के समय सहायक होंगे । जनगणना संगठन द्वारा आधुनिक इमेज बेस्ड स्केनिंग प्रौद्योगिकी को पहली बार प्रयोग में लाया जाएगा जिससे आंकड़ों के संसाधन, सारणीकरण और प्रकाशन में गति आएगी ।

कर्नाटक में जनगणना की विशालता

जनगणना एक विशाल प्रशासनिक कार्य है। कर्नाटक में यह कार्य यथासंभव संतोषजनक, पूर्ण और व्यापक रूप से किया गया। जनसंख्या की गणना शुरू करने से पहले भारी प्रारंभिक कार्य किए गए। इस कार्य में कर्नाटक राज्य में हेमलेट सहित कस्बों के साथ 29,483 ग्रामों, 175 तालुकों में 270 नगरों और शहरों तथा 27 जिले शामिल हैं जहां पर सूचीकरण का कार्य किया गया और इनको उपयुक्त मानचित्र में तैयार करके उनकी प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को दर्शाया गया। इसी बुनियादी कार्य को व्यवस्थित ढंग से निपटाने के कारण जनगणना कार्य बिना अतिव्याप्त अथवा त्रुटि के सहज से सम्पन्न हुआ। 1991 की जनगणना के इस ढाँचे को दिसंबर 1999 तक राज्य/जिला/तालुक/नगर/ग्राम में हुए क्षेत्राधिकार में परिवर्तन के अनुसार अद्यतन बनाया गया। इन जटिल कदमों को ध्यानपूर्वक एक निर्दिष्ट समय के भीतर युद्ध स्तर पर पूरा करना था। अतएव समय की माँग के सामने कई चुनौतियाँ थी।

ढाँचे को अतिसावधानी से तैयार करने के बाद कर्नाटक में मकानसूचीकरण कार्य 8 से 25 मई 2000 तक पूरा किया गया। स्थानीय निकायों में 6 और 9 जून 2000 के बीच चुनाव कराने के राज्य सरकार के निर्णय के कारण मकानसूचीकरण का कार्य 30 दिनों से घटाकर 18 दिनों में सम्पन्न किया गया। इसके बावजूद यह कार्य समय पर पूरा कर लिया गया।

कर्नाटक में मकानसूचीकरण कार्य में कुल 97,900 जनगणना कर्मचारी शामिल किए गए जिसमें 81,538 प्रगणक, 14,500 पर्यवेक्षक, 600 प्रशिक्षण पर्यवेक्षक, 620 चार्ज अधिकारी, 300 अपर चार्ज अधिकारी और 250 पर्यवेक्षक अधिकारी थे।

तद्पश्चात जनसंख्या की गणना का कार्य आरंभ किया गया । इसमें निम्नलिखित कार्य करना था :

27 जिलों, 175 तालुकों, 270 शहरों और नगरों, 29,438 ग्रामों और करीब 30,000 हेमलेट के कोने-कोने तक पहुँचना था। इस कार्य के लिए राज्य को 120,741 प्रगणक ब्लाकों में बाँटा गया।

5.2 करोड की प्रत्याशित जनसंख्या में बिना छूट या दोबारा गणना एवं आयु, लिंग तथा राष्ट्रीयता के बिना अपेक्षा के सभी व्यक्ति अर्थात सभी शिशु महिला और पुरुष की गणना करना।

करीब 1.2 लाख जनगणना कर्मचारियों को नियुक्त करना और प्रशिक्षण दिलाना।

28 फरवरी 2001 के रात को बेघर परिवारों की गणना की गई ।

प्रगणकों को दी गई सूचना तथा व्यक्ति और परिवार की पहचान की गोपनीयता बरकरार रखना जिसने प्रगणक को जानकारी दी है ।

एकत्रित आंकड़े संकलित और सारणीबद्ध करना तथा विवरणों, सारणियों और मानचित्रों सहित लिखित रिपोर्टें तैयार एवं प्रकाशित करना।

जनगणना कार्य का समारम्भ

जनगणना कार्य का निष्पादन के लिए राज्य और केन्द्र सरकार के भीतर सहयोग और तालमेल का निरंतर अनूठा उदाहरण रहा है। जनगणना कार्य के निष्पादन के लिए कर्नाटक राज्य एक मिसाल है और इस जनगणना में तो कई नए उपायों का सूत्रपात भी किया गया। ये उपाय भारत की जनगणना 2001 सफलता पूर्वक और सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए जनगणना निदेशालय और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में उचित सहयोग और तालमेल बनाए रखने में मददगार सिद्ध हुए।

कर्नाटक राज्य में जनगणना का कार्य करने के लिए उठाए गए उपायों की एक झलक नीचे पैरा में प्रस्तुत है।

कर्नाटक में जनगणना कार्य का उद्घाटन माननीय मुख्य मंत्री श्री एस.एम.कृष्णा ने औपचारिक रूप से किया। 05 जनवरी 2000 को आयोजित उप आयुक्त, जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और नगर निगम के आयुक्तों के प्रथम राज्य स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने जनगणना करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को सलाह दी कि राज्य में जनगणना 2001 का कार्य निष्पक्ष, सम्पूर्ण और व्यापक

ढंग से कराया जाए। कर्नाटक राज्य के माननीय राजस्व मंत्री श्री एच. सी. श्रीकंठय्या ने इस सम्मेलन का अध्यक्षता की। कर्नाटक राज्य के मुख्य सचिव श्री बी. के.भट्टाचार्य ने राज्य की जिला/तालूक/ग्राम/नगर के लोकेशन कोड संख्या की डायरेक्टरी का विमोचन किया और श्री जयन्त कुमार बांठिया, भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त ने अपना भाषण दिया। केन्द्र और राज्य सरकार के कई गणमान्य अधिकारी इस सम्मेलन में उपस्थित रहे।

समितियों का गठन

पहली बार राज्य स्तर पर जनगणना समन्वय समिति का गठन किया गया जिसमें राज्य सरकार के मुख्य सचिव अध्यक्ष बने और प्रधान सचिव तथा सचिव स्तर के उच्च अधिकारीगण समिति के सदस्य बनाए गए। भारत के भूतपूर्व महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त एवं कर्नाटक के दो भतपूर्व जनगणना निदेशक समिति में शामिल किए गए। जिलों में उप आयुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तर पर जनगणना समन्वय समिति गठित की गई जिसमें विभिन्न जिला अधिकारियों और गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सदस्यों के रूप में शामिल किया गया । इसी प्रकार तालुक स्तर पर तहसीलदार की अध्यक्षता में अनेक तालुक स्तर के अधिकारियों और गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की सदस्यता से जनगणना समन्वय समिति का गठन किया गया।

जनगणना कार्य निदेशक की अध्यक्षता में तथा चैयरमैन, कर्नाटक पत्रिका अकादमी, निदेशक सूचना और प्रचार विभाग, निदेशक जनसमूह शिक्षा निदेशालय, निदेशक प्रसार भारती, दूरदर्शन, आकाशवाणी के स्टेशन डायरेक्टर, क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के संयुक्त निदेशक तथा कर्नाटक वर्किंग जर्नलिस्ट एसोसियेशन के सभापति की सदस्यता में पहली बार एक मीडिया योजना समिति का गठन किया गया। यह समिति समय समय पर प्रचार संबंधी मामलों में जनगणना निदेशक को सलाह देती रहेगी ।

इसी प्रकार भारत सरकार और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा गठित अन्तः मीडिया प्रचार तथा समन्वय समिति की दो-एक बार केवल जनगणना 2001 के प्रचार के बारे में चर्चा के लिए बैठक आयोजित की गई थी ।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यवाहक अधिकारी को पहली बार जनगणना पदानुक्रम में अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया ताकि जिला स्तर पर अतिरिक्त सहयोग मिल सके।

संगठनात्मक ढांचा और प्रशिक्षण

इस लेख में जनगणना अधिकारियों का तंत्र भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त भारत सरकार से लेकर प्रगणक तक का पदानुक्रम संगठानत्मक चार्ट में दिए गया है। बहुत बड़ी संख्या में महिलाएँ तथा पुरुषों को नियुक्त किया गया, प्रशिक्षण दिलाया गया और जनगणना अधिकारियों जो राज्य सरकार के कर्मचारी हैं, द्वारा पर्यवेक्षण किया गया । यद्यपि ज्यादातर जनगणना कर्मचारी स्कूल शिक्षक वर्ग के थे, राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार एवं अर्ध-सरकारी संस्थाओं के बहुत से कर्मचारियों और अधिकारियों को शामिल करने का प्रयास किया गया था। प्राइवेट संस्थाओं के बहुत से शिक्षकों को प्रगणक और

पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।

केवल मात्र कर्नाटक राज्य में ही 1.20 लाख जनगणना कर्मचारी नियुक्त किए गए जिसमें 1,146 पर्यवेक्षक अधिकारी, 689 प्रशिक्षण पर्यवेक्षक, 16,976 पर्यवेक्षक और 97,986 प्रगणक थे और इन्हे तीन चरणों में प्रशिक्षण दिलाया गया। समूचे राज्य में करीब 5,000 प्रशिक्षण कक्षाएं चलाई गई। इसके अतिरिक्त, जो प्रशिक्षण कक्षा में उपस्थित नहीं हो सके या जो अतिरिक्त प्रशिक्षण लेना चाहते थे उनके लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण कक्षाएं भी चलाई गई।

जिलों, तालुकों और होबली में उपलब्ध अवस्थपना सुविधाओं के आधार पर पहली बार करीब सात प्रकार के निम्नलिखित प्रशिक्षण मॉड्यूल बनाकर उपयोग में लाए गए।

(1) परम्परागत प्रणाली - अनुदेश पुस्तिका का पठन और श्याम पट्ट का प्रयोग
(2) फिल्प चार्ट - ब्लोन अप चार्ट
(3) आडियो कसट - 120 मिनट
(4) प्रश्नोत्तरी
(5) ओवरहेड प्रोजेक्टर
(6) प्रोजेक्टर पर 35 मि.मि. स्लाईड तथा
(7) मल्टी - मीडिया प्रस्तुति

लिंग पक्षपात के विषय पर प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को सुग्राही करने के लिए जनगणना सलाहकारों की नियुक्ति की गई और प्रशिक्षण दिया गया। बाद में जनगणना सलाहकारों ने प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया ताकि गणना के समय लिंग पक्षपात की संभावना से महिलाएँ छुट न जाए और गणना नतीजे में महिला कर्मी के संख्या और स्त्री-पुरुष अनुपात में कमी होने न पाए। यथा संभव महिला प्रगणक नियुक्त करने के लिए सावधानी बरती गई । कर्नाटक में कुल प्रगणकों में से 40 प्रतिशत महिला प्रगणक थे।

1951 के बाद जनगणना अनुसूची में विकलांगों के बारे में प्रश्न दूसरी बार प्रयोग में लाया गया। चूँकि विकलांग का प्रश्न बहुत ही संवेदनशील मामला है, इसलिए प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को इस प्रश्न को बहुत ही सावधनी से प्रयोग में लाने के लिए प्रशिक्षण दिलाया गया। इसी दृष्टि से जनगणना निदेशालय, कर्नाटक और डाईरेक्टोरेट आफ वेलफेयर फार डिसेब्ल्ड द्वारा दिनांक 1.12.2000 को राज्य स्तर पर सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें विकलांगों के लिए कार्य कर रहे 250 से अधिक गैर सरकारी संगठनों ने भाग लिया। यह सम्मेलन उन गैर सरकारी संगठनों जो विकलांगों के लिए काम कर रहे हैं, को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया जो बाद में विकलांगों और उनके परिवार के सदस्यों को इसके बारे में जानकारी देंगे। कर्नाटक के राज्यपाल माननीया श्रीमती वी. एस. रमादेवी ने इस सम्मेलन की उद्घाटन करते हुए संबंधितो को परामर्श दिया कि सभी व्यक्तियों का कवरेज, कार्य में उनकी भागीदारी इत्यादि और खास तौर पर महिलाओं और विकलांगों की जनगणना कार्य में कवरेज सुनिश्चित की जाए। कर्नाटक सरकार की महिला और बाल विकास मंत्री माननीया श्रीमती मोटम्मा ने सम्मेलन की अध्यक्षता की। श्री जयंत कुमार बांठिया, भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त ने भाषण दिया और महिला तथा बाल विकास विभाग के

सचिव श्रीमती मीरा सक्सेना ने भाग ले रहे सदस्यों को संबोधित किया। इसके अनुकरण में 5.1.2001 को राज्य स्तर पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई जो कि गैर सरकारी संगठनों विकलांगों के कल्याण हेतु निदेशालय और जनगणना निदेशालय, कर्नाटक द्वारा आयोजित की गई थी।

प्रभावी कवरेज

प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के लिए सभी ग्रामीण तथा नगरीय चार्ज में जनगणना सहायता केन्द्र तथा जनगणना हेल्प लाईन खोले गए ताकि किसी भी प्रकार की सहायता के लिए चार्ज अधिकारियों के साथ सम्पर्क किया जा सके। जनगणना टलीफोन लाइनों के नंबर प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित किए गए ताकि आंकड़े एकत्रण के पहले चरण में प्रगणकों द्वारा गणना न किए जाने पर आम जनता चार्ज अधिकारी को इस संबंध में रिपोर्ट कर सके।

बेंगलूर शहर का विस्तार और दुरूहता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सरकारी कार्यालयों से करीब 125 कर्मचारियों और अधिकारियों का एक सशक्त दल प्रगणन और खास तौर पर व्यापक कवरेज की निगरानी करने के लिए नियुक्त किया गया था।

28 फरवरी 2001 की रात को बेघर जनसंख्या की गणना की गई जिससे उनकी पीड़ा भरी जिन्दगी की एक झलक देखने को मिली।

प्रचार व्यवस्था

जनगणना की सफलता लोगों की इच्छा और भागीदारी पर निर्भर करती है। जनसाधारण में जागरूकता के लिए प्रचार की महत्वपूर्ण भूमिका है। कर्नाटक में मकानसूचीकरण के समय की तुलना में जनसंख्या की गणना के समय अधिक प्रचार कार्य किया गया। रैलियाँ, सम्मेलनों, निबंध, वक्तृता और स्लोगन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे स्ट्रीट प्ले आदि के माध्यम से जनगणना संदेश दिया गया। ख्यातिप्राप्त व्यक्तियों द्वारा दूरदर्शन और आकाशवाणी पर जनगणना संदेश नियत समय पर दिए गए। जनगणना के बारे में बड़े-बड़े होर्डिंग और बैनर लगाए गए। विज्ञापन पत्र तथा विवरणिकाएं वितरित की गई। समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किए गए। वर्ष 1999 और 2000 में मैसूर में आयोजित्र दशहरा प्रदर्शनी में जनगणना स्टाल खोले गए। दूरदर्शन और केबल टी.वी. द्वारा जनगणना पर 15 मिनट की प्रेरणा मूलक फिल्म हर तीसरे दिन प्रदर्शित की गई । आडियो और विडियो स्पाट तैयार किए गए जो हवाई अड्डा, रेलवे तथा बस अड्डों में सी.टी.वी. पर प्रदर्शित किये गये। समाचार पत्रों में जनगणना विषयों से संबंधित विज्ञापन प्रकाशित किए गए। तदनुरूप जनगणना विषयक पोस्टर मुद्रित करवाकर विभिन्न स्तरों पर कार्यालय और सरकारी संगठनों में बाँटे गए। पेन, घड़ियाँ, टोपियाँ, पेपर-वेट आदि में जनगणना पहचान चिन्ह (सेन्सस लोगो) मुद्रित कर वितरित किया गया। इनमें से कुछ सामग्री राज्य सरकार के कई विभागों तथा उपक्रमों द्वारा प्रायोजित थे। केन्द्रीय सरकार और गैर सरकारी संगठनों से प्राप्त पोस्टर तथा अन्य विज्ञापन सामग्रियाँ भी प्रचार कार्य में मददगार सिद्ध हुई।

जनगणना के संबंध में तथा मुख्य रूप से विकलांग के प्रश्न पर लोगों में जागरूकता लाने की दृष्टि से कई गैर

सरकारी संगठनों से सहयोग और समन्वय प्राप्त हुआ। उनसे अनुरोध किया गया कि विभिन्न संस्थाऐं और गैर सरकारी संगठन, जो विकलांगों के हित में काम कर रहे हैं, उन्हे इसके बारे में जानकारी प्रदान करें।

प्रगणकों और प्रगणितों के समस्याएं

इस कार्य के समय जनगणना कर्मचारियों मुख्यतः प्रगणकों और पर्यवेक्षकों पर काफी दबाव था। कुछेक प्रगणक और पर्यवेक्षक ऐसे थे जो इस कार्य को करने की इच्छुक नहीं थे। जनसंख्या में वृद्धि के कारण अधिक प्रगणकों की आवश्यकता थी जिसके फलस्वरूप गैर सरकारी स्कूल के अध्यापकों को भी नियुक्त करना पड़ा। प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की अपनी अपनी समस्याए थीं। उन्हें कई बार ताला-बन्द मकानों से लौटाना पड़ा। कुछ प्रगणितों के दुर्व्यवहार और व्यक्तिगत प्रश्नों के उत्तर देने से इन्कार करने की स्थितियों का सामना करना पड़ा। सड़क के कुत्तों ने उनकी कठिनाईयों को और बढ़ा दिया। स्कूल के काम के साथ-साथ समयबद्ध जनगणना के अतिरिक्त कार्य निष्पादन की जिम्मेदारी उन्हें निभानी थी जिसमें अधिक समय लगना था। उनका एक माँग यह थी कि उनकी सुविधा के अनुसार प्रगणन कार्य का समय बदला जाए। कुछ सुविधा, छुट्टी में रियायत आदि जैसे मांग आती रहीं। यह सभी प्राधिकारियों के लिए चिंता का कारण था। फिर भी उनकी अधिकतर मांगे युक्तियुक्त और स्वाभाविक थी जिन्हें राज्य सरकार की समयोचित मध्यस्थता से पूरा किया गया।

पब्लिक से शिकायतें भी मिली कि उनके मकानों की गणना नहीं हुई ; कुछ प्रगणक पेन्सिल से जानकारी रिकार्ड कर रहे हैं ; उत्तरदाताओं द्वारा बताए गए धर्म दर्ज नहीं किया जा रहा ; विकलांगत संबंधी प्रश्न ठीक से पूछे नहीं जा रहे थे। सहायता केन्द्र, हेल्प लाईन तथा निदेशालय में प्राप्त सभी शिकायतों को दर्ज किया गया और तत्काल जाँच और कवरेज के लिए भेज दिया गया। केवल बेंगलूर में ही 1200 से अधिक शिकायतें दर्ज हुई जिन पर तुरंत कार्रवाई की गई। इस समस्या से जूझने के लिए 16 फरवरी 2001 को राज्य स्तर पर जिला जनगणना अधिकारियों की बैठक बुलायी गयी जिसमें शिकायतों के स्वरूप और साइज के बारे में चर्चा की गई एवं उन्हे हिदायतें दी गई कि शिकायतों पर तुरंत यथोचित कार्रवाई की जाए और ऐसे कदम उठाए जाँए जिससे आईन्दा ऐसी शिकायतें प्राप्त न हो । इन शिकायतों पर कार्यवाई के लिए तुरंत सभी प्रयास किए गए। निरंतर यात्रा करने वाले नागरिक, काम करने वाले बेघर प्रवासी, कार्यालय समय के बाद काम करने वाले कर्मचारी आदि बातें जनगणना कर्मचारियों के लिए प्रमुख चिन्ता का कारण था। ऐसे लोगों की न्यून गणना (अन्डरकाउन्टिग) कम से कम हो इस पर पर्याप्त ध्यान रखा गया।

आभारोक्ति

विभिन्न सेवाओं, कार्यालयों और संस्थाओं के व्यक्तियों के महीनों के अथक प्रयासों के कारण राज्य में जनगणना कार्य सफलतापूर्वक और सूचारू रूप से संपन्न हुआ।

जैसा कि हर समय होता आया है, कर्नाटक राज्य के नागरिकों ने वान्छित जानकारी देने में जबरदस्त दिलचस्पी दिखाई।

जनगणना कार्य के निष्पादन के लिए राज्य सरकार और उसके कई विभागों ततथा उपक्रमों से भरपूर सहायता और सहयोग प्राप्त हुई। प्रेस और अन्य मिडिया ने भी अभूतपूर्व उत्साह के साथ प्रचार कार्य में मदद प्रदान की। भारत सरकार टेक्स्ट बुक प्रेस, मैसूर तथा मुद्रण और लेखन सामग्री निदेशालय, कर्नाटक सरकार द्वारा समय सीमा के अंदर विभिन्न फार्मों और अनुसूचियों का मुद्रण कार्य सराहनीय रहा।

अर्ध सेना (पैरा मिलिटरी) बल और डिफेन्स के उच्च अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी संस्थाओं की परिसर में निवासियों की गणना करने में संपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

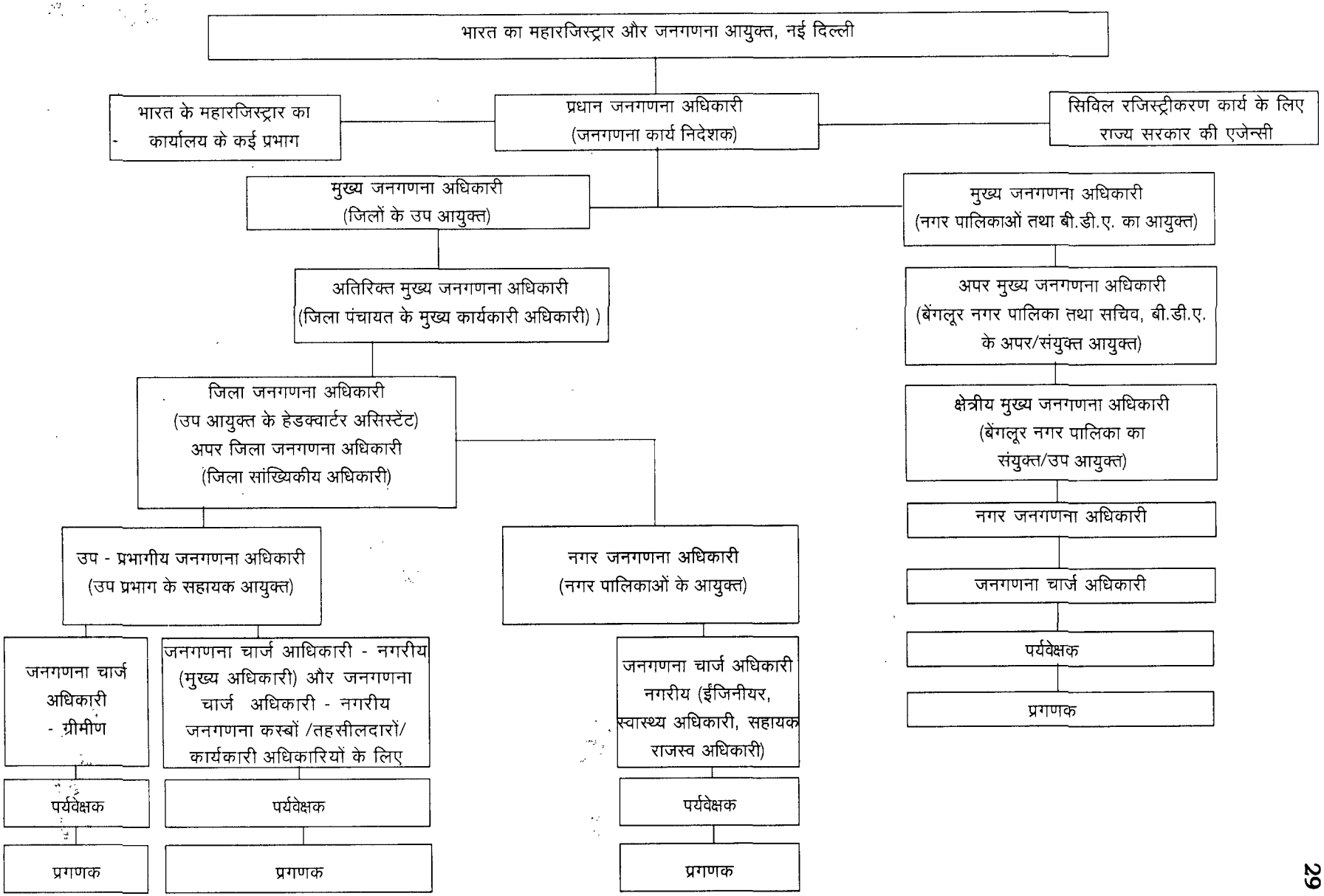
प्रगणकों, पर्यवेक्षकों, चार्ज अधिकारियों, सहायक, अपर उप मंडलीय, अपर जिला, शहर, जिला, क्षेत्रीय, अपर मुख्य और मुख्य जनगणना अधिकारियों ने सक्रीय सहायता और प्रतिभागिता प्रदान की जिसके बिना प्रगणन कार्य सफलता और सूचारू रूप से संपन्न करना संभव नहीं था।

गणना करना कठिन कार्य था। लेकिन, जब भी कोई कठिनाई सामने आई हम तुरंत कर्नाटक राज्य के भूतपूर्व मुख्य सचिव श्री बी. के. भट्टाचार्य और वर्तमान मुख्य सचिव श्रीमती टेरेसा भट्टाचार्य के पास उनके मार्ग दर्शन और सहायता के लिए संपर्क करते थे। उन्होने हर समय हमारा मार्ग दर्शन किया ।

भारत का महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त, श्री जयन्त कुमार बांठिया हर समय हमारे साथ रहे। उनकी सहायता और मार्गदर्शन हमारे लिए सर्वदा एक प्रेरणा थी। उनके नेतत्व में अनेक नवीन प्रक्रियों का परिपालन करना बड़ा आसान है। इन नवीन प्रक्रियाओं का नतीजा बहुत अच्छा रहा। भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा समय पर सहायता और सहयोग देने से हमें काम करने में काफी सहायता मिली ।

जनगणना कार्य निदेशालय, कर्नाटक की ओर से हम उन सभी के आभारी हैं जिन्होने विश्व के इस विशालतम प्रशासनिक कार्य के निपटान के लिए कार्य किए। वस्ततः यह एक विशाल सामूहिक प्रयास है।

जनगणना पदानुक्रम





प्रधान जनगणना अधिकारियों (नगर जिलों के उपायुक्तों एवं आयुक्तों) तथा अपर प्रधान जनगणना अधिकारियों (जिला पंचायत के मुख्यकार्यकारी अधिकारियों) का 12.1.2000 को बेंगलूर में आयोजित राज्य स्तर का प्रथम सम्मेलन। (दायें से बायें : श्री एच० सी० श्रीकंठय्या, माननीय राजस्व मंत्री, श्री एस० एम० कृष्णा, माननीय मुख्य मंत्री, श्री बी० के० भट्टाचार्य, मुख्य सचिव, श्री जे० के० बांठिया, भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त, श्री एच० शशिधर, निदेशक, जनगणना कार्य और श्री डी० हनुमंतराया, सहायक निदेशक)।



प्रधान जनगणना अधिकारियों और अपर प्रधान जनगणना अधिकारियों का 12.1.2000 को बेंगलूर में आयोजित राज्य स्तर के प्रथम सम्मेलन का एक दृश्य।



श्री बी० के० भट्टाचार्य (बिलकुल बायीं ओर, मुख्य सचिव, कर्नाटक सरकार) की अध्यक्षता में दिनांक 5.1.2000 को विधान सौंध, बेंगलूर में आयोजित राज्य स्तरीय समन्वय समिति की प्रथम बैठक।



दिनांक 6.2.2001 को आयोजित राज्य स्तरीय समन्वय समिति की तीसरी बैठक।
इसकी अध्यक्षता श्रीमती टेरेसा भट्टाचार्य (बिलकुल बायीं ओर) मुख्य सचिव, कर्नाटक सरकार द्वारा की गई।



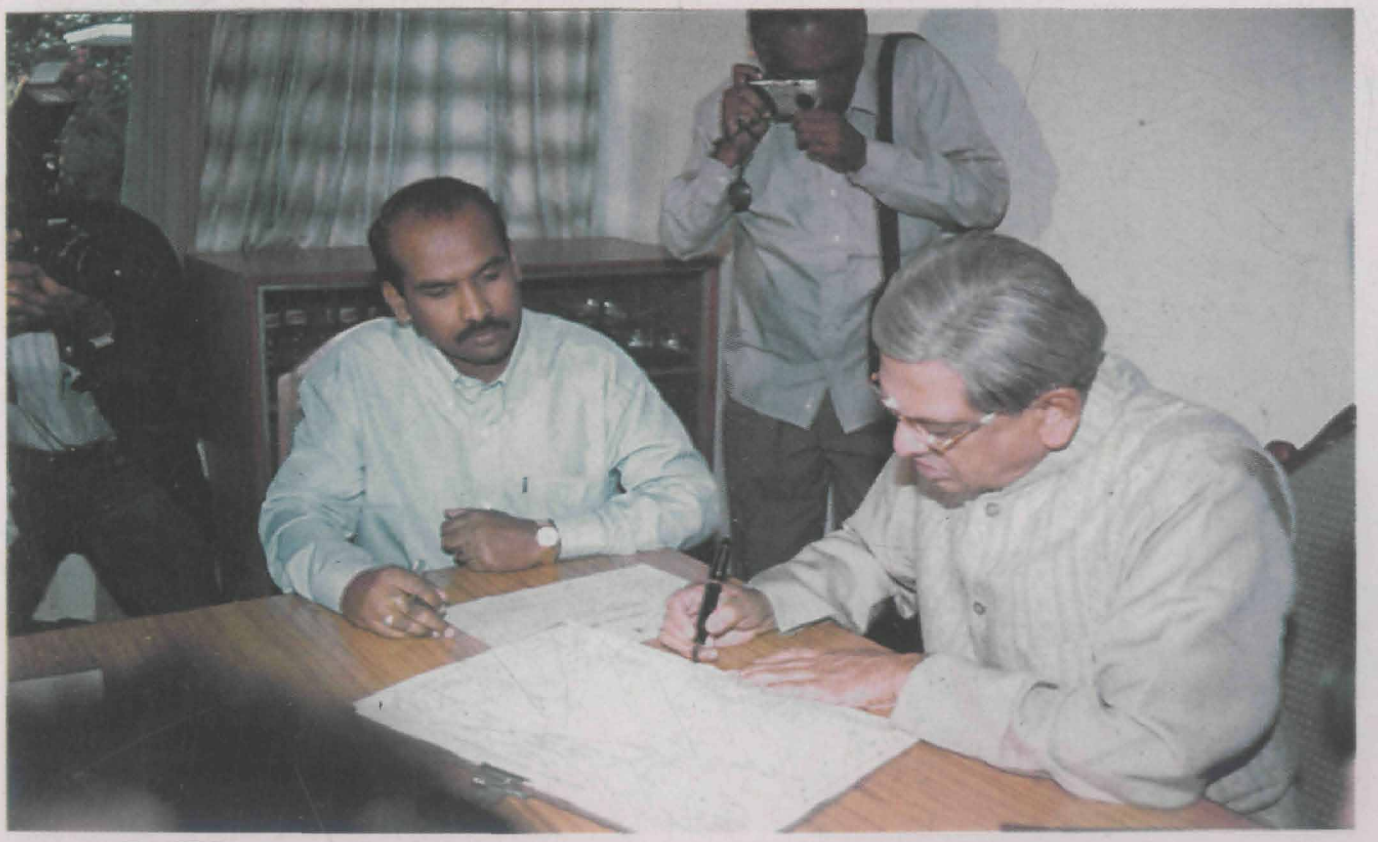
30.10.2000 दशहरा प्रदर्शनी, मैसूर में जनगणना स्टाल में भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त श्री जे० के० बांठिया (दायीं ओर)



श्रीमती वी० एस० रमादेवी, महामहीम कर्नाटक की राज्यपाल 'भारत की जनगणना 2001 - विकलांगो की गणना ' संबंधी राज्य स्तर के सेमिनार को सम्बोधित करते हुए। (बांयें से दाये : श्री एम० वी० वेदमूर्ति, निदेशक, विकलांग कल्याण निदेशालय, कर्नाटक सरकार, श्रीमती मीरा सक्सेना, सचिव, महिला एवं बालविकास विभाग,श्रीमती मोटम्मा, माननीय मंत्री महिला एवं बाल कल्याण, श्री जे० के० बांठिया, भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त, श्री एच० शशिधर, निदेशक, जनगणना कार्य, कर्नाटक)



श्रीमती वी० एस० रमादेवी, महामहिम कर्नाटक की राज्यपाल, 9.2.2001 को जानकारी उपलब्ध कराने के बाद
भरी हुई जनगणना परिवार अनुसूची पर हस्ताक्षर करते हुए।



श्री एस० एम० कृष्णा, कर्नाटक के माननीय मुख्य मंत्री, 9.2.2001 को जानकारी उपलब्ध कराने के बाद
भरी हुई जनगणना परिवार अनुसूची पर हस्ताक्षर करते हुए।



न्यायमर्ती पी० वेंकटरामा रेड्डी (दायें) माननीय मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, कर्नाटक की गणना 28.2.2001 को उनके निवास पर की गई।



19.2.2001 को निप्पानी सी० एम० सी०, बेलगाँव जिले में जनसंख्या की गणना के दौरान प्रगणकों के कार्य का पर्यवेक्षण करते हुए श्री एस.पी.शर्मा, परामर्शक (बाए), भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय।

अनन्तिम जनसंख्या आंकड़े, 2001 - संक्षिप्त विश्लेषण

वृद्धि दर

देश की जनसंख्या के आकार के अनुसार राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है जहाँ 16.17 प्रतिशत जनसंख्या है। कर्नाटक 9 वें स्थान पर है और देश की कुल जनसंख्या का 5.13 प्रतिशत जनसंख्या यहाँ है।

1991 से 2001 के दशक में राज्य की जनसंख्या 44,977,201 से बढ़कर 52,733,958 हो गयी अर्थात 17.25 प्रतिशत की वृद्धि दर पाई गई।

राज्य के जिलों में बेंगलूर में सर्वोच्च वृद्धि दर पाई गई अर्थात 34.80 प्रतिशत और नव सृजित जिला में 1991-01 के जनगणना दशक में 6.88 प्रतिशत की न्यूनतम वृद्धि दर पाई गई।

बेंगलूर के अलावा अन्य जिलों में जैसे बेल्लारी जिला (22.30%) और पूर्ववत हैदराबाद-कर्नाटक का सम्मिलित जिला क्षेत्र अर्थात बीदर (19.56%), गुलबर्गा (21.02%) एवं रायचूर (21.93%) व कोप्पल (24.57%) में उल्लेखनीय वृद्धि दर पाई गई।

जनसंख्या घनत्व

1991 की जनगणना की तरह राज्य का क्षेत्र फल 191,791 वर्ग कि.मी. है। फिर भी जनसंख्या वृद्धि होने के कारण जनसंख्या घनत्व 1991 के 235 से बढ़कर 2001 में 275 पाया गया जिससे यही पता लगाया जाता है कि जनसंख्या घनत्व में तीव्र वृद्धि हुई है। भारत और राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के "आंकडों पर एक नजर" की सारणी से देखा जाएगा कि राष्ट्रीय स्तर पर (1991 के 267 से 2001 में 324) और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व में काफी वृद्धि हुई है।

राज्य के जिलों में बेंगलूर में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व अर्थात 2979 प्रति वर्ग कि.मी. पाया गया चुंकि बेंगलूर शहर राज्य का राजधानी है।

उत्तर कन्नड में 1991 में जनसंख्या घनत्व (119) सबसे कम पाया गया और 2001 में यह 132 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. के दर से न्यूनतम रहा और जनसंख्या घनत्व के हिसाब से उसी रैंक पर है।

साक्षरता दर

1991-2001 के दशक में साक्षरता दर में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। 1991 के 56.04 प्रतिशत की साक्षरता दर 2001 में बढ़कर 67.04 प्रतिशत हो गई। जनगणना 2001 में एक आकर्षक विशिष्टता यह पाई गई कि महिला साक्षरता दर जो 1991 में 44.34 प्रतिशत थी, बढ़कर 57.45 प्रतिशत हो गया है। जबकि पुरुषों में साक्षरता दर 67.26 प्रतिशत से बढ़कर 76.29 प्रतिशत हो गई।

राज्य के जिलों में 1991 की भांति प्रथम स्थान बनाय रखते हुए बेंगलूर में साक्षरता दर 83.91 प्रतिशत पाई गई और उसके बाद दक्षिण कन्नड में साक्षरता दर 83.47 प्रतिशत पाई गई। रायचूर जिला (49.54 प्रतिशत) में साक्षरता दर न्यूनतम पाई गई तथा गुलबर्गा (50.65 प्रतिशत) की रैंक ठीक उसके पहले है।

स्त्री-पुरुष अनुपात

2001जनगणना का एक प्रमुख विशिष्टता यह है कि राज्य एवं करीब सभी जिलों में स्त्री-पुरुष अनुपात, जो अब तक गिरावट दर्शा रहा था, में वृद्धि हुई है। राष्ट्र स्तर पर प्रति 1000 पुरुषों की तुलना में महिलाओं का अनुपात 1991 के 927 से बढ़कर 2001 में 933 और कर्नाटक में 960 से बढ़कर 964 हो गया है।

राज्य के केवल तीन जिलों में नामतः उडुपी (1127), दक्षिण कन्नड (1023) और हासन (1005) में स्त्री-पुरुष अनुपात महिलाओं के पक्ष में गया है । बेंगलूर में (906) स्त्री-पुरुष अनुपात में मामूली सी वृद्धि हुई है जो कि 1991 के स्त्री-पुरुष अनुपात (903) से बेहतर है।

अनंतिम जनसंख्या सारणियाँ

सारणियों के टिप्पणी

1. 1991-2001 के दौरान कर्नाटक के क्षेत्राधिकार में कोई परिवर्तन नही हुआ है।

2. जनगणना 2001 के समय कर्नाटक में 27 जिले थे। 1997 में कर्नाटक राज्य सरकार की दिनांक 2.8.1997 की अधिसूचना सं. आर डी 42 एल आर डी 87 भाग - III बेंगलूर के तहत सात नए जिले अर्थात ; पूर्ववत मैसूर जिला से चामराजनगर, पूर्ववत चित्रदुर्ग जिला से दावणगेरे, बेल्लारी तथा शिमोगा, पूर्ववत बिजापुर जिला से बागलकोट, पूर्ववत धारवाड़ जिला से गदग और हावेरी, पूर्ववत दक्षिण कन्नड जिला से उडुपी, एवं पूर्ववत रायचूर जिला से कोप्पल जिलों का सृजन किया गया। अत: अब राज्य में 27 जिले हैं ।

3. कर्नाटक सरकार का दिनांक 25.3.1998 की अधिसूचना सं. आर डी 42 एल आर डी 87 भाग - III बेंगलूर के तहत उडुपी जिले के करकल तालुक (मूदबिदरी फिरका) के 28 गावों को दक्षिण कन्नड जिला के मंगलूर तालुक में हस्तांतरित कर दिया गया है ।

4. सारणियों / विवरणियों / मानचित्रों और चार्टों में प्रस्तुत जिलों के आंकड़े जनगणना 2001 के समय विद्यमान अधिक्षेत्र से समंजित किया गया है।

सारणी - 1

जनसंख्या का वितरण, प्रतिशत दशकीय वृद्धि दर, स्त्री-पुरुष अनुपात और जनसंख्या घनत्व

क्र. स.	राज्य / जिला	2001 में जनसंख्या			प्रतिशत दशकीय वृद्धि दर		स्त्री-पुरुष अनुपात (प्रति 1000 पुरुषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या		जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किलो मीटर	
		व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां	1981-91	1991-01	1991	2001	1991	2001
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	कर्नाटक	**52,733,958**	**26,856,343**	**25,877,615**	**21.12**	**17.25**	**960**	**964**	**235**	**275**
1	बेलगाँव	4,207,264	2,147,746	2,059,518	20.30	17.40	954	959	267	314
2	बागलकोट	1,652,232	835,684	816,548	20.79	18.84	982	977	211	251
3	बिजापुर	1,808,863	928,550	880,313	22.94	17.63	948	948	147	172
4	गुलबर्गा	3,124,858	1,591,379	1,533,479	24.10	21.02	962	964	159	193
5	बीदर	1,501,374	770,679	730,695	26.12	19.56	952	948	231	276
6	रायचूर	1,648,212	832,352	815,860	30.53	21.93	978	980	198	241
7	कोप्पल	1,193,496	602,026	591,470	28.05	24.57	981	982	133	166
8	गदग	971,955	493,795	478,160	15.56	13.14	969	968	184	209
9	धारवाड़	1,603,794	823,415	780,379	19.64	16.65	935	948	333	376
10	उत्तर कन्नड़	1,353,299	687,026	666,273	13.66	10.90	966	970	119	132
11	हावेरी	1,437,860	740,307	697,553	20.53	13.29	936	942	263	298
12	बेल्लारी	2,025,242	1,028,481	996,761	26.84	22.30	966	969	196	240
13	चित्रदुर्गा	1,510,227	772,649	737,578	20.51	15.05	951	955	156	179
14	दावनगेरे	1,789,693	917,320	872,373	23.07	14.78	942	951	263	302
15	शिमोगा	1,639,595	829,365	810,230	15.11	12.90	964	977	171	193
16	उडुपी	1,109,494	521,541	587,953	9.42	6.88	1134	1127	268	286
17	चिकमगलूर	1,139,104	574,275	564,829	11.57	11.98	977	984	141	158
18	तुमकूर	2,579,516	1,311,941	1,267,575	16.58	11.87	959	966	218	243
19	कोलार	2,523,406	1,281,153	1,242,253	16.34	13.83	965	970	270	307
20	बेंगलूर	6,523,110	3,422,797	3,100,313	38.44	34.80	903	906	2210	2979
21	बेंगलूर ग्रामीण	1,877,416	961,335	916,081	15.23	12.21	945	953	288	323
22	मंड्या	1,761,718	887,307	874,411	15.96	7.14	963	985	331	355
23	हासन	1,721,319	858,623	862,696	15.67	9.66	999	1005	230	253
24	दक्षिण कन्नड़	1,896,403	937,651	958,752	15.98	14.51	1020	1023	363	416
25	कोडगु	545,322	273,210	272,112	5.75	11.64	979	996	119	133
26	मैसूर	2,624,911	1,335,841	1,289,070	24.84	15.04	953	965	333	383
27	चामराजनगर	964,275	489,895	474,380	14.99	9.16	953	968	173	189

सारणी - 2

राज्य और जिलों में 1901 से जनसंख्या का प्रतिशत दशकीय अंतर

क्र. सं.	राज्य / जिला	प्रतिशत दशकीय अंतर									
		1901-11	1911-21	1921-31	1931-41	1941-51	1951-61	1961-71	1971-81	1981-91	1991-01
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	कर्नाटक	**+3.60**	**-1.09**	**+9.38**	**+11.09**	**+19.36**	**+21.57**	**+24.22**	**+26.75**	**+21.12**	**+17.25**
1	बेलगाँव	-4.19	+0.46	+13.64	+13.97	+16.71	+20.53	+22.16	+22.94	+20.30	+17.40
2	बागलकोट	+5.25	-4.81	+7.60	+13.53	+15.97	+16.62	+20.74	+23.54	+20.79	+18.84
3	बिजापुर	+22.65	-8.33	+10.83	+11.18	+21.45	+20.89	+18.61	+18.68	+22.94	+17.63
4	गुलबर्गा	+9.22	-7.94	+11.56	+6.99	+14.52	+15.31	+24.28	+19.63	+24.10	+21.02
5	बीदर	+18.95	-5.81	+9.51	+16.90	+7.45	+20.35	+24.26	+20.83	+26.12	+19.56
6	रायचूर	+7.38	-9.59	+4.72	+10.34	+6.16	+19.29	+26.76	+28.84	+30.53	+21.93
7	कोप्पल	+7.38	-4.94	+9.37	+12.16	+18.32	+10.57	+31.44	+22.27	+28.05	+24.57
8	गदग	-5.98	+5.72	+0.17	+12.19	+10.97	+20.43	+18.35	+19.37	+15.56	+13.14
9	धारवाड़	-7.91	+2.48	+8.21	+8.28	+18.29	+25.24	+26.76	+31.26	+19.64	+16.65
10	उत्तर कन्नड़	-5.27	-6.69	+4.01	+5.58	+17.37	+33.16	+23.13	+26.38	+13.66	+10.90
11	हावेरी	-7.74	-5.17	+10.46	+7.45	+19.67	+24.95	+14.87	+24.76	+20.53	+13.29
12	बेल्लारी	-0.94	-13.22	+12.04	+10.21	+20.58	+19.89	+24.21	+33.64	+26.84	+22.30
13	चित्रदुर्गा	+11.19	+3.71	+13.31	+9.20	+16.40	+25.97	+21.30	+21.13	+20.51	+15.05
14	दावनगेरे	+4.16	-6.86	+15.74	+10.15	+17.62	+25.84	+29.99	+32.44	+23.07	+14.78
15	शिमोगा	-4.10	-3.59	+3.05	+4.43	+24.91	+60.31	+29.57	+27.59	+15.11	+12.90
16	उडुपी	+3.38	+2.89	+6.59	+8.69	+13.50	+12.67	+19.55	+22.31	+9.42	+6.88
17	चिकमगलूर	-5.79	-1.45	+4.25	+3.04	+16.54	+43.05	+23.33	+23.77	+11.57	+11.98
18	तुमकूर	+9.97	+5.15	+11.12	+10.73	+20.46	+18.76	+19.04	+21.51	+16.58	+11.87
19	कोलार	+7.80	+1.57	+7.16	+14.36	+16.13	+14.18	+17.56	+25.64	+16.34	+13.83
20	बेंगलूर	+8.47	+12.25	+22.79	+25.11	+69.77	+19.61	+46.55	+59.08	+38.44	+34.80
21	बेंगलूर ग्रामीण	+7.63	+4.60	+14.47	+12.73	+22.92	+15.07	+16.22	+24.30	+15.23	+12.21
22	मंड्या	+4.47	+7.59	+7.27	+9.09	+12.90	+25.49	+28.38	+22.85	+15.96	+7.14
23	हासन	+1.61	+0.63	+2.61	+5.16	+13.93	+25.27	+23.05	+23.10	+15.67	+9.66
24	दक्षिण कन्नड़	+6.04	+5.83	+9.20	+11.71	+13.34	+21.18	+27.17	+22.72	+15.98	+14.51
25	कोडगु	-3.12	-6.37	-0.31	+3.31	+35.96	+40.72	+17.18	+22.10	+5.75	+11.64
26	मैसूर	+3.22	+2.62	+8.61	+16.20	+23.65	+16.66	+28.40	+25.12	+24.84	+15.04
27	चामराजनगर	+2.91	-4.62	+7.30	+10.74	+15.14	+18.76	+15.50	+24.61	+14.99	+9.16

सारणी - 3

राज्य और जिलों में 1901 से स्त्री-पुरुष अनुपात

क्र. सं.	राज्य / जिला	स्त्री-पुरुष अनुपात (प्रति 1000 पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या										
		1901	1911	1921	1931	1941	1951	1961	1971	1981	1991	2001
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	कर्नाटक	**983**	**981**	**969**	**965**	**960**	**966**	**959**	**957**	**963**	**960**	**964**
1	बेलगाँव	980	967	957	952	947	956	952	947	957	954	959
2	बागलकोट	999	995	974	984	977	997	987	987	997	982	977
3	बिजापुर	996	986	957	962	951	963	967	963	970	948	948
4	गुलबगा	974	975	973	970	960	993	989	981	981	962	964
5	बीदर	990	979	968	959	949	980	971	963	968	952	948
6	रायचूर	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	1004	994	982	988	978	980
7	कोप्पल	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	उ.न.	968	973	979	989	981	982
8	गदग	995	976	993	981	973	987	981	983	981	969	968
9	धारवाड	983	970	956	939	936	858	941	928	938	935	948
10	उत्तर कन्नड	925	956	968	952	965	967	946	957	958	966	970
11	हावेरी	973	973	942	945	944	938	939	938	937	936	942
12	बेल्लारी	968	975	967	970	970	956	960	966	975	966	969
13	चित्रदुर्गा	967	968	947	952	937	942	942	946	952	951	955
14	दावनगेरे	971	977	957	949	952	956	948	947	944	942	951
15	शिमोगा	894	897	892	860	869	878	879	919	944	964	977
16	उडुपी	1125	1112	1099	1120	1123	1150	1165	1140	1130	1134	1127
17	चिकमगलूर	907	911	910	886	892	896	903	937	953	977	984
18	तुमकूर	985	977	958	962	951	958	956	957	961	959	966
19	कोलार	968	968	957	955	949	973	968	961	971	965	970
20	बेंगलूर	982	958	931	928	922	895	890	886	900	903	906
21	बेंगलूर ग्रामीण	996	990	972	970	964	970	960	954	955	945	953
22	मंड्या	1032	1028	999	995	982	990	967	960	960	963	985
23	हासन	1010	1019	998	985	977	970	969	974	987	999	1005
24	दक्षिण कन्नड	1029	1041	1030	1042	1049	1048	1027	1006	1015	1020	1023
25	कोडगु	801	799	831	803	827	830	862	910	933	979	996
26	मैसूर	1009	1007	989	976	961	966	942	936	948	953	965
27	चामराजनगर	1024	1015	1007	998	975	978	968	955	956	953	968

सारणी - 4

राज्य और जिलों में 0-6 आयु समूह की जनसंख्या, साक्षरों की संख्या

क्र. सं.	राज्य / जिला	कुल जनसंख्या			0-6 आयु समूह की जनसंख्या		
		व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां
1	2	3	4	5	6	7	8
	कर्नाटक	**52,733,958**	**26,856,343**	**25,877,615**	**6,826,168**	**3,501,499**	**3,324,669**
1	बेलगाँव	4,207,264	2,147,746	2,059,518	600,722	312,304	288,418
2	बागलकोट	1,652,232	835,684	816,548	254,479	131,239	123,240
3	बिजापुर	1,808,863	928,550	880,313	272,595	138,293	134,302
4	गुलबर्गा	3,124,858	1,591,379	1,533,479	509,233	262,848	246,385
5	बीदर	1,501,374	770,679	730,695	234,495	119,195	115,300
6	रायचूर	1,648,212	832,352	815,860	267,418	136,273	131,145
7	कोप्पल	1,193,496	602,026	591,470	198,615	102,481	96,134
8	गदग	971,955	493,795	478,160	132,626	67,982	64,644
9	धारवाड़	1,603,794	823,415	780,379	207,346	106,675	100,671
10	उत्तर कन्नड़	1,353,299	687,026	666,273	169,480	87,095	82,385
11	हावेरी	1,437,860	740,307	697,553	193,908	98,899	95,009
12	बेल्लारी	2,025,242	1,028,481	996,761	301,217	154,587	146,630
13	चित्रदुर्गा	1,510,227	772,649	737,578	189,161	97,220	91,941
14	दावनगेरे	1,789,693	917,320	872,373	226,873	116,375	110,498
15	शिमोगा	1,639,595	829,365	810,230	198,763	101,473	97,290
16	उडुपी	1,109,494	521,541	587,953	108,778	55,647	53,131
17	चिकमगलूर	1,139,104	574,275	564,829	131,047	66,726	64,321
18	तुमकूर	2,579,516	1,311,941	1,267,575	291,371	149,272	142,099
19	कोलार	2,523,406	1,281,153	1,242,253	318,071	161,002	157,069
20	बेंगलूर	6,523,110	3,422,797	3,100,313	728,615	375,585	353,030
21	बेंगलूर ग्रामीण	1,877,416	961,335	916,081	213,921	110,216	103,705
22	मंड्या	1,761,718	887,307	874,411	191,677	98,949	92,728
23	हासना	1,721,319	858,623	862,696	192,525	98,048	94,477
24	दक्षिण कन्नड़	1,896,403	937,651	958,752	213,257	109,227	104,030
25	कोडगु	545,322	273,210	272,112	66,809	33,796	33,013
26	मैसूर	2,624,911	1,335,841	1,289,070	305,247	154,955	150,292
27	चामराजनगर	964,275	489,895	474,380	107,919	55,137	52,782

और साक्षरता दर

साक्षरों की संख्या *			साक्षरता दर **			राज्य / जिला	क्र. सं.
व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां		
9	10	11	12	13	14	2	1
30,774,988	**17,817,682**	**12,957,306**	**67.04**	**76.29**	**57.45**	**कर्नाटक**	
2,323,258	1,392,932	930,326	64.42	75.89	52.53	बेलगाँव	1
808,069	502,308	305,761	57.81	71.31	44.10	बागलकोट	2
882,754	538,179	344,575	57.46	68.10	46.19	बिजापुर	3
1,324,905	830,658	494,247	50.65	62.52	38.40	गुलबर्गा	4
785,206	477,456	307,750	61.98	73.29	50.01	बीदर	5
683,988	431,738	252,250	49.54	62.02	36.84	रायचूर	6
547,345	345,457	201,888	55.02	69.15	40.76	कोप्पल	7
556,191	338,746	217,445	66.27	79.55	52.58	गदग	8
1,003,608	580,829	422,779	71.87	81.04	62.20	धारवाड़	9
906,640	506,799	399,841	76.59	84.48	68.48	उत्तर कन्नड़	10
846,960	499,906	347,054	68.09	77.94	57.60	हावेरी	11
1,000,602	608,165	392,437	58.04	69.59	46.16	बेल्लारी	12
857,099	504,478	352,621	64.88	74.69	54.62	चित्रदुर्गा	13
1,057,525	612,240	445,285	67.67	76.44	58.45	दावनगेरे	14
1,078,573	599,168	479,405	74.86	82.32	67.24	शिमोगा	15
799,305	403,425	395,880	79.87	86.59	74.02	उडुपी	16
732,185	409,495	322,690	72.63	80.68	64.47	चिकमगलूर	17
1,537,33 2	893,835	643,497	67.19	76.88	57.18	तुमकूर	18
1,392,445	819,329	573,116	63.14	73.14	52.81	कोलार	19
4,862,343	2,692,608	2,169,735	83.91	88.36	78.98	बेंगलूर	20
1,081,240	633,486	447,754	65.00	74.43	55.12	बेंगलूर ग्रामीण	21
960,948	557,435	403,513	61.21	70.71	51.62	मंड्या	22
1,051,095	595,424	455,671	68.75	78.29	59.32	हासन	23
1,404,928	743,445	661,483	83.47	89.74	77.39	दक्षिण कन्नड़	24
374,041	200,627	173,414	78.17	83.80	72.53	कोडगु	25
1,477,464	841,941	635,523	63.69	71.30	55.81	मैसूर	26
438,939	257,573	181,366	51.26	59.25	43.02	चामराजनगर	27

टिप्पणी : * साक्षरों में 0-6 वर्ष की आयु के बच्चे सम्मिलित नहीं हैं जिन्हे परिभाषा के अनुसार भारत की जनगणना 2001 में निरक्षर माना गया है।

** साक्षरता दर 7 वर्ष और उससे अधिक आयु की जनसंख्या में साक्षरों का प्रतिशत है।

विवरण - 1

1991 और 2001 में जनसंख्या आकार के अनुसार जिलों की रैंक

2001 में रैंक	जिला	2001 में जनसंख्या	राज्य की कुल जनसंख्या में प्रतिशत 2001	1991 में जनसंख्या	राज्य की कुल जनसंख्या में प्रतिशत 1991	1991 में रैंक
1	2	3	4	5	6	7
1	बेंगलूर	6,523,110	12.37	4,839,162	10.76	1
2	बेलगाँव	4,207,264	7.98	3,583,606	7.97	2
3	गुलबर्गा	3,124,858	5.93	2,582,169	5.74	3
4	मैसूर	2,624,911	4.98	2,281,653	5.07	5
5	तुमकूर	2,579,516	4.89	2,305,819	5.13	4
6	कोलार	2,523,406	4.79	2,216,889	4.93	6
7	बेल्लारी	2,025,242	3.84	1,656,000	3.68	9
8	दक्षिण कन्नड	1,896,403	3.60	1,656,165	3.68	8
9	बेंगलूर ग्रामीण	1,877,416	3.56	1,673,194	3.72	7
10	बिजापुर	1,808,863	3.43	1,537,731	3.42	13
11	दावनगेरे	1,789,693	3.39	1,559,222	3.47	12
12	मंड्या	1,761,718	3.34	1,644,374	3.66	10
13	हासन	1,721,319	3.26	1,569,684	3.49	11
14	बागलकोट	1,652,232	3.13	1,390,259	3.09	15
15	रायचूर	1,648,212	3.13	1,351,809	3.01	17
16	शिमोगा	1,639,595	3.11	1,452,259	3.23	14
17	धारवाड	1,603,794	3.04	1,374,895	3.06	16
18	चित्रदुर्गा	1,510,227	2.86	1,312,717	2.92	18
19	बीदर	1,501,374	2.85	1,255,799	2.79	20
20	हावेरी	1,437,860	2.73	1,269,213	2.82	19
21	उत्तर कन्नड	1,353,299	2.57	1,220,260	2.71	21
22	कोप्पल	1,193,496	2.26	958,078	2.13	24
23	चिकमगलूर	1,139,104	2.16	1,017,283	2.26	23
24	उडुपी	1,109,494	2.10	1,038,099	2.31	22
25	गदग	971,955	1.84	859,042	1.91	26
26	चामराजनगर	964,275	1.83	883,365	1.96	25
27	कोडगु	545,322	1.03	488,455	1.09	27

विवरण - 2

स्त्री - पुरुष अनुपात के अनुसार जिलों की रैंक

2001 में रैंक	जिला	स्त्री - पुरुष अनुपात (प्रति 1000 पुरुषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या)		1991 में रैंक
		2001	1991	
1	2	3	4	5
1	उडुपी	1127	1134	1
2	दक्षिण कन्नड	1023	1020	2
3	हासन	1005	999	3
4	कोडगु	996	979	6
5	मंड्या	985	963	14
6	चिकमगलूर	984	977	8
7	कोप्पल	982	981	5
8	रायचूर	980	978	7
9	बागलकोट	977	982	4
10	शिमोगा	977	964	13
11	उत्तर कन्नड	970	966	11
12	कोलार	970	965	12
13	बेल्लारी	969	966	10
14	गदग	968	969	9
15	चामराजनगर	968	953	19
16	तुमकूर	966	959	16
17	मैसूर	965	953	18
18	गुलबर्गा	964	962	15
19	बेलगाँव	959	954	17
20	चित्रदुर्गा	955	951	21
21	बेंगलूर ग्रामीण	953	945	23
22	दावनगेरे	951	942	24
23	बीदर	948	952	20
24	बिजापुर	948	948	22
25	धारवाड़	948	935	26
26	हावेरी	942	936	25
27	बेंगलूर	906	903	27

विवरण - 3

जनसंख्या घनत्व के अनुसार जिलों की रैंक

2001 में रैंक	जिला	जनसंख्या घनत्व		1991 में रैंक
		2001	1991	
1	2	3	4	5
1	बेंगलूर	2979	2210	1
2	दक्षिण कन्नड	416	363	2
3	मैसूर	383	333	3
4	धारवाड	376	333	5
5	मंड्या	355	331	4
6	बेंगलूर ग्रामीण	323	288	6
7	बेलगाँव	314	267	9
8	कोलार	307	270	7
9	दावनगेरे *	302	263	10
10	हावेरी *	298	263	11
11	उडुपी *	286	268	8
12	बीदर	276	231	12
13	हासन	253	230	13
14	बागलकोटे *	251	211	15
15	तुमकूर	243	218	14
16	रायचूर	241	198	16
17	बेल्लारी	240	196	17
18	गदग *	209	184	18
19	शिमोगा	193	171	20
20	गुलबर्गा	193	159	21
21	चामराजनगर *	189	173	19
22	चित्रदुर्गा	179	156	22
23	बिजापुर	172	147	23
24	कोप्पल *	166	133	25
25	चिकमगलूर	158	141	24
26	कोडगु	133	119	26
27	उत्तर कन्नड	132	119	27

*1991 के बाद नव गठित जिले

विवरण - 4

साक्षरता दर 1961 - 2001

वर्ष	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां
1	2	3	4
1961	29.80	42.29	16.70
1971	36.83	48.51	24.55
1981	46.21	58.73	33.17
1991	56.04	67.26	44.34
2001	67.04	76.29	57.45

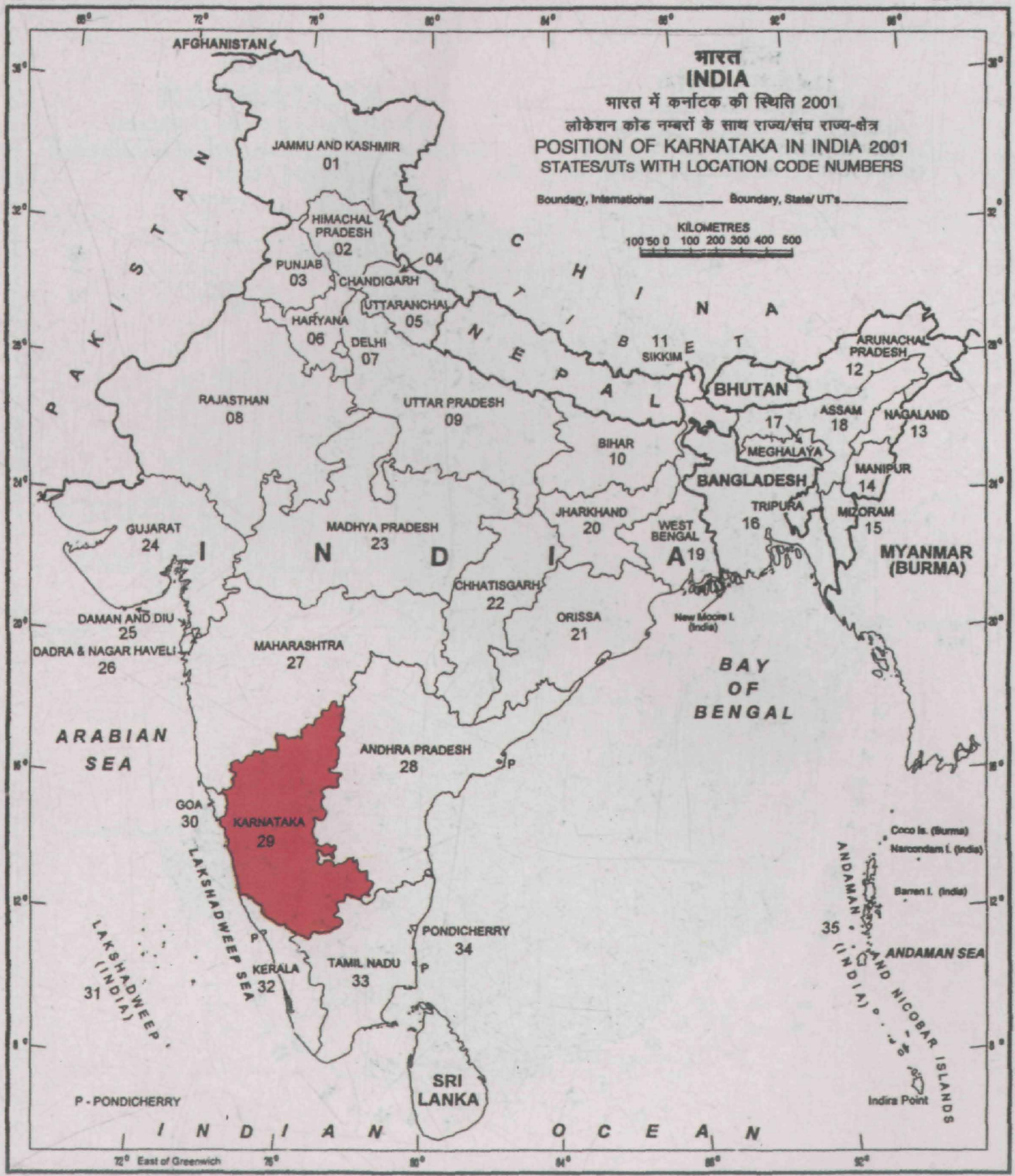
टिप्पणी : 1961 और 1971 की साक्षरता दरें 5 वर्ष और उससे अधिक आयु की जनसंख्या से संबंधित हैं। 1981 से 2001 की दरें 7 वर्ष और उससे अधिक आयु की जनसंख्या से संबंधित है।

विवरण - 5

राज्य और जिलों की स्त्री- पुरुष के अनुसार साक्षरता दरें

क्र. सं.	राज्य / जिला	साक्षरता दर *					
		व्यक्ति		पुरुष		स्त्रियां	
		1991	2001	1991	2001	1991	2001
1	2	3	4	5	6	7	8
	कर्नाटक	**56.04**	**67.04**	**67.26**	**76.29**	**44.34**	**57.45**
1	बेलगाँव	53.00	64.42	66.65	75.89	38.69	52.53
2	बागलकोट	52.20	57.81	67.09	71.31	37.13	44.10
3	बिजापुर	56.27	57.46	70.18	68.10	41.57	46.19
4	गुलबर्गा	38.54	50.65	52.08	62.52	24.49	38.40
5	बीदर	45.11	61.98	58.97	73.29	30.53	50.01
6	रायचूर	34.34	49.54	46.75	62.02	21.70	36.84
7	कोप्पल	38.23	55.02	53.47	69.15	22.78	40.76
8	गदग	55.88	66.27	71.63	79.55	39.68	52.58
9	धारवाड	62.73	71.87	74.22	81.04	50.41	62.20
10	उत्तर कन्नड	66.73	76.59	76.39	84.48	56.77	68.48
11	हावेरी	56.10	68.09	68.05	77.94	43.28	57.60
12	बेल्लारी	45.89	58.04	59.11	69.59	32.24	46.16
13	चित्रदुर्गा	52.28	64.88	64.50	74.69	39.38	54.62
14	दावनगेरे	55.96	67.67	66.82	76.44	44.41	58.45
15	शिमोगा	63.90	74.86	73.12	82.32	54.33	67.24
16	उडुपी	74.47	79.87	83.58	86.59	66.64	74.02
17	चिकमगलूर	61.05	72.63	70.56	80.68	51.31	64.47
18	तुमकूर	54.48	67.19	66.49	76.88	41.93	57.18
19	कोलार	50.45	63.14	62.69	73.14	37.75	52.81
20	बेंगलूर	76.27	83.91	82.94	88.36	68.81	78.98
21	बेंगलूर ग्रामीण	50.17	65.00	61.51	74.43	38.15	55.12
22	मंड्या	48.15	61.21	59.18	70.71	36.70	51.62
23	हासन	56.85	68.75	68.87	78.29	44.90	59.32
24	दक्षिण कन्नड	76.35	83.47	84.08	89.74	68.84	77.39
25	कोडगु	68.35	78.17	75.35	83.80	61.22	72.53
26	मैसूर	50.88	63.69	59.71	71.30	41.60	55.81
27	चामराजनगर	38.19	51.26	47.31	59.25	28.60	43.02

टिप्पणी : * साक्षरता दर 7 वर्ष और उससे अधिक आयु की जनसंख्या में साक्षरों का प्रतिशत है।

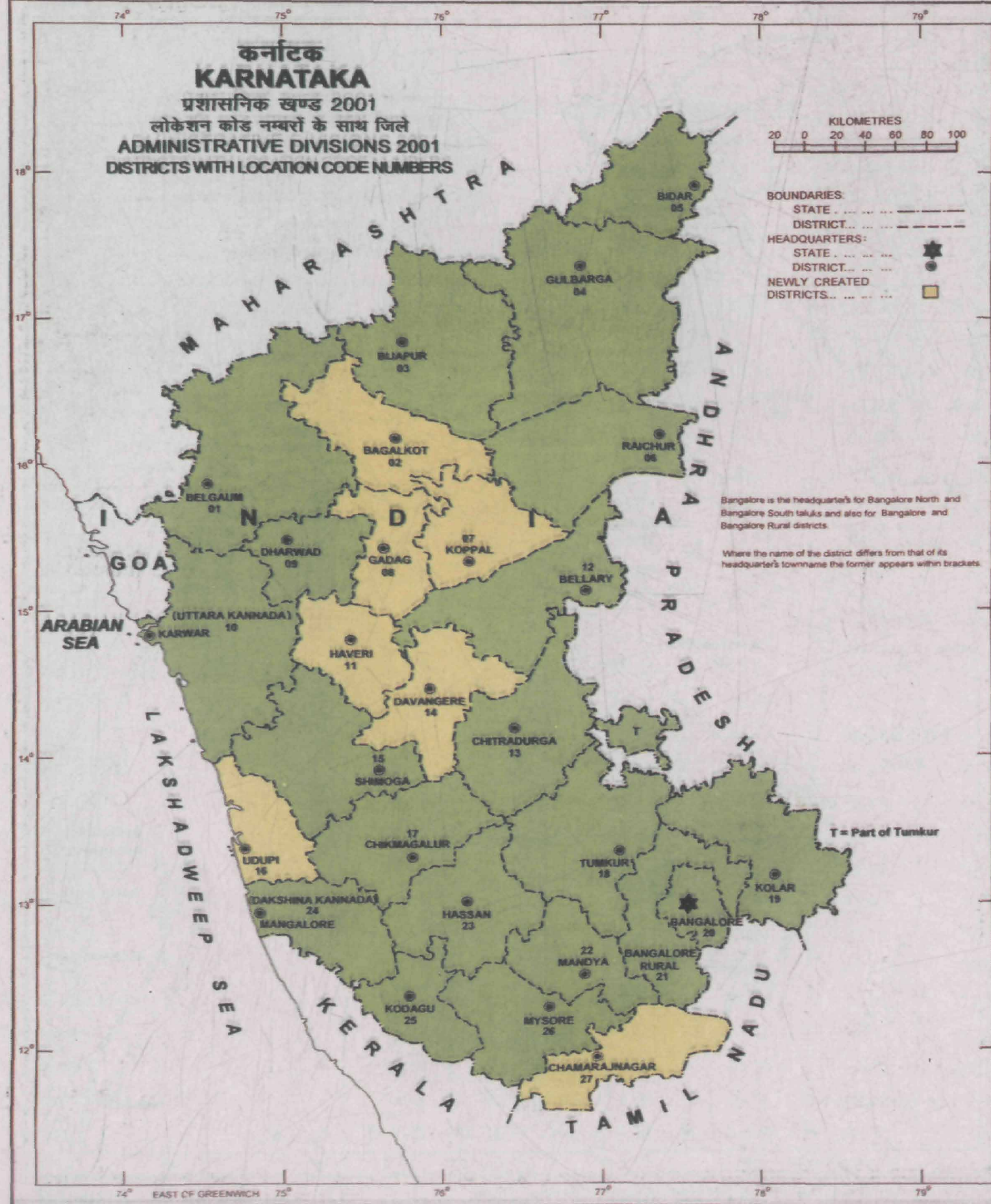


Based upon Survey of India map with the permission of Surveyor General of India.

The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.

© Government of India, Copyright 2001.

कर्नाटक
KARNATAKA
प्रशासनिक खण्ड 2001
लोकेशन कोड नम्बरों के साथ जिले
ADMINISTRATIVE DIVISIONS 2001
DISTRICTS WITH LOCATION CODE NUMBERS

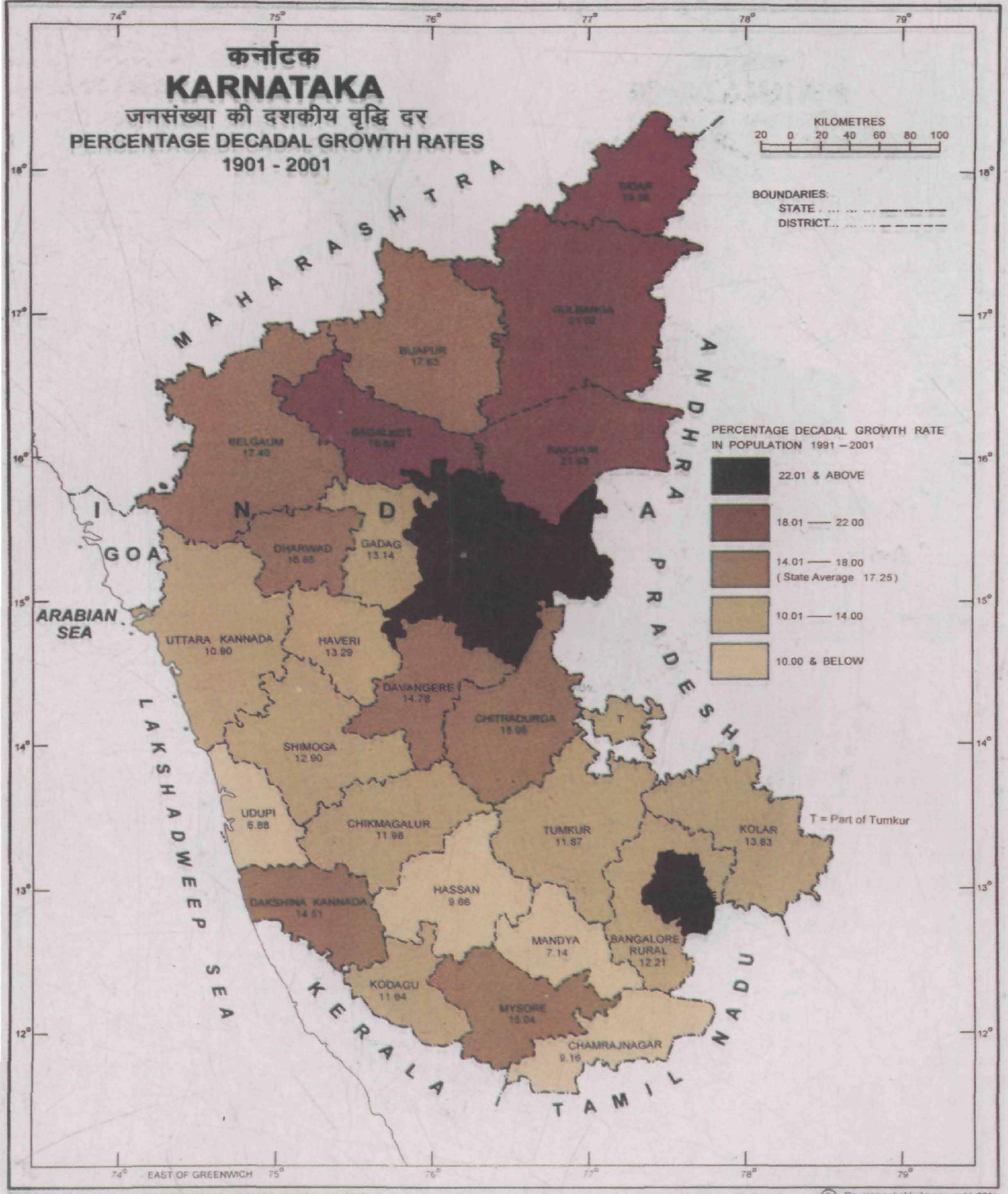


Based upon Survey of India map with the permission of the Surveyor General of India

© Government of India copyright. 200

The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line

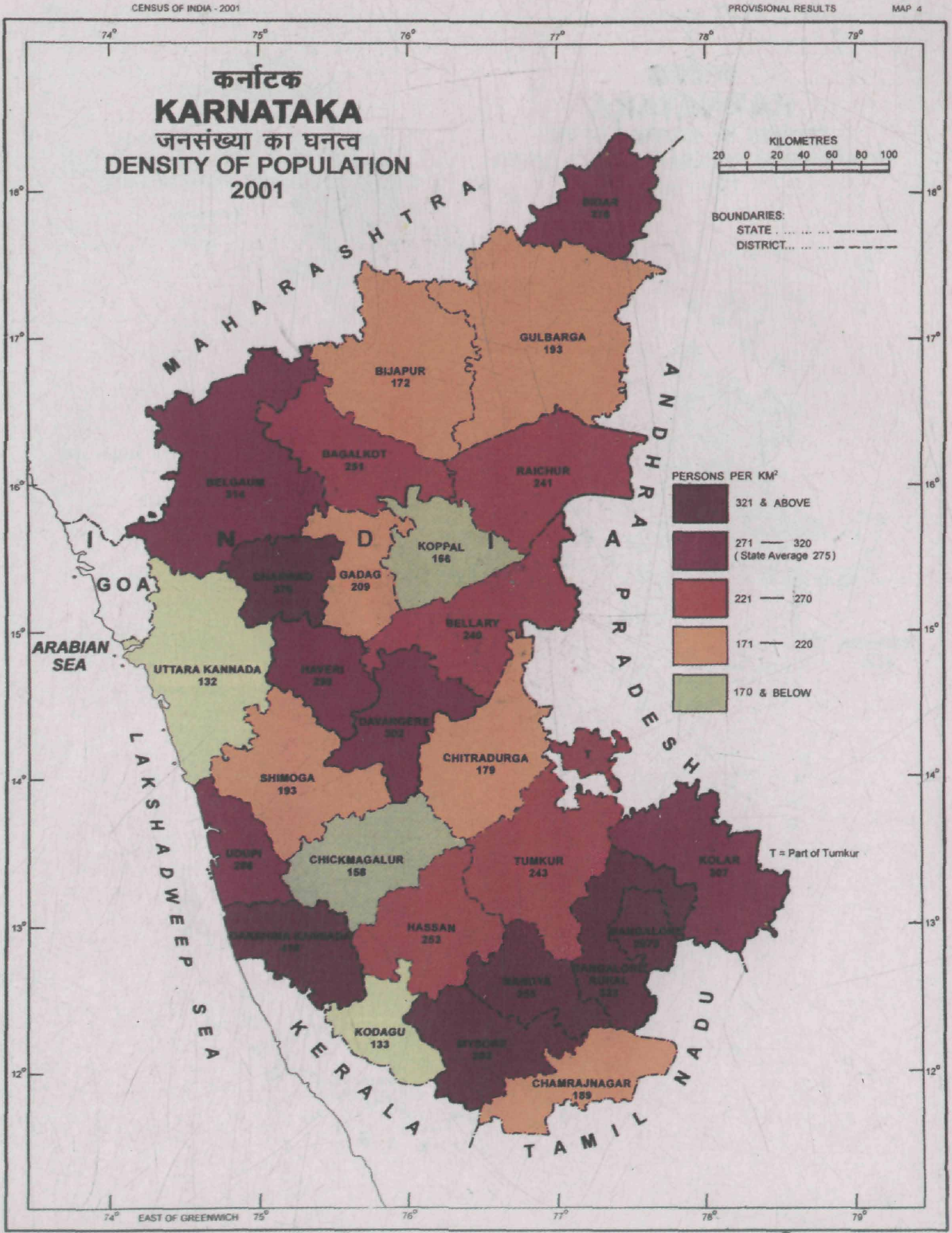
कर्नाटक
KARNATAKA
जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर
PERCENTAGE DECADAL GROWTH RATES
1901 - 2001



Based upon Survey of India map with the permission of the Surveyor General of India.

© Government of India copyright 2001

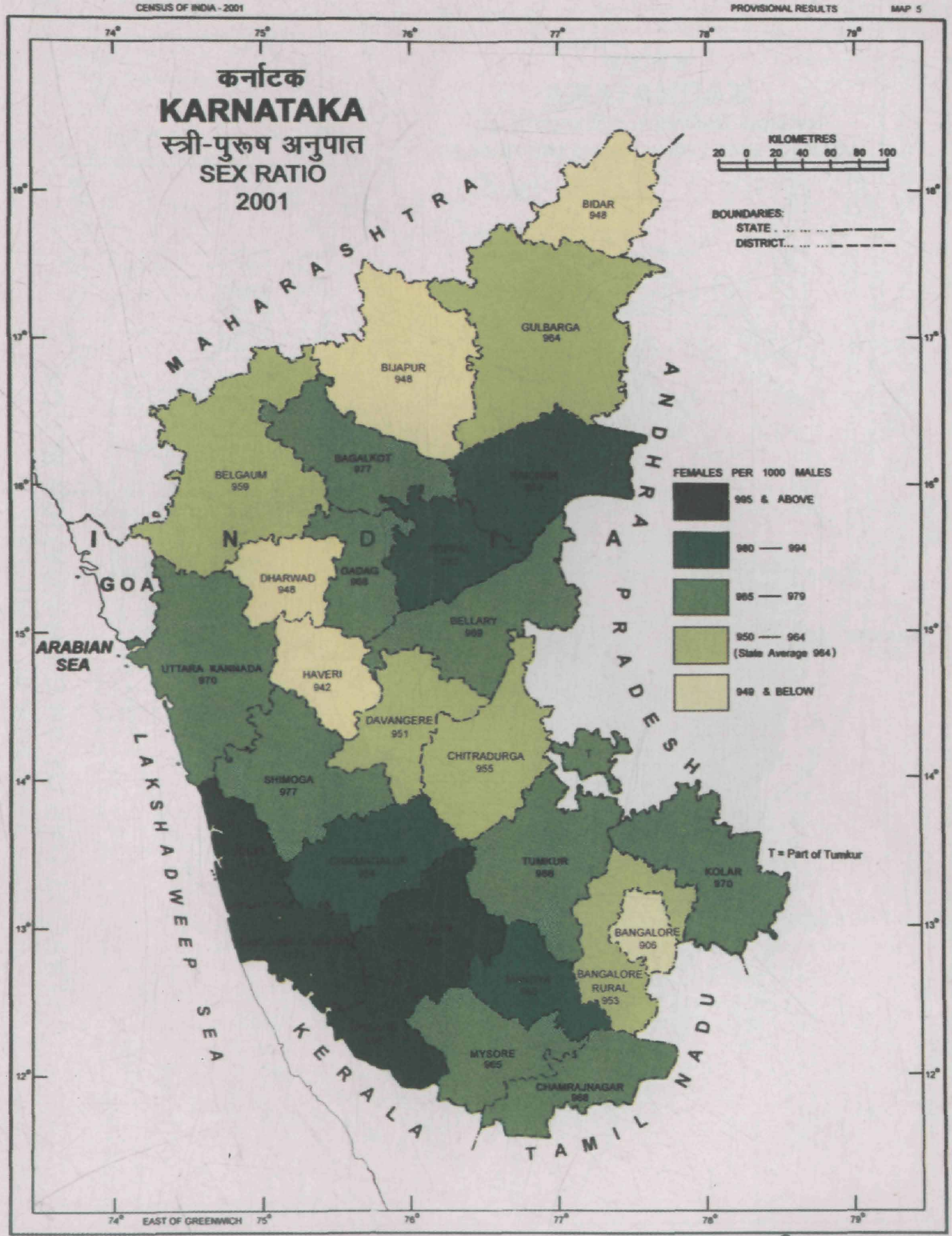
The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line



Based upon Survey of India map with the permission of the Surveyor General of India.

© Government of India copyright, 2001

The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.

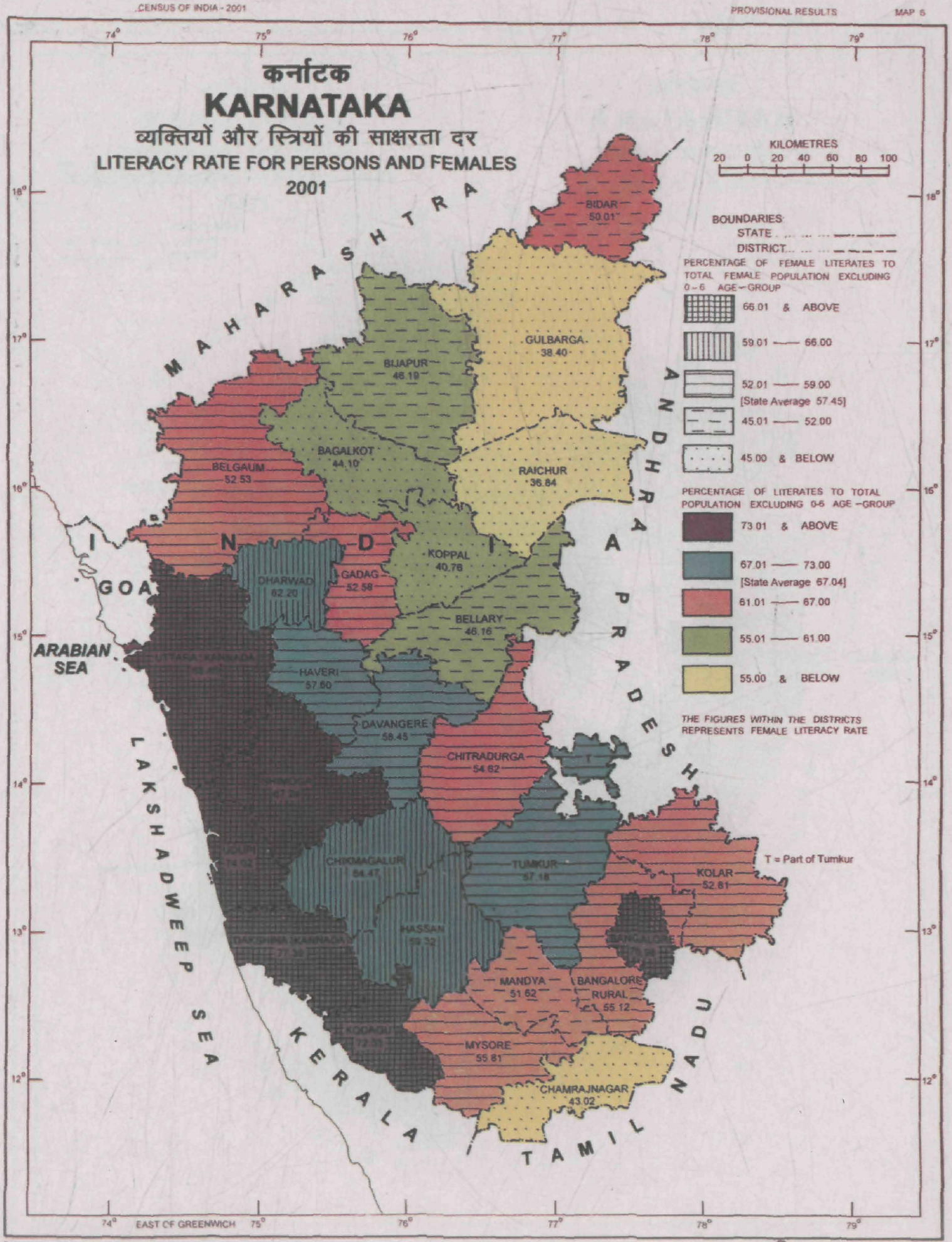


Based upon Survey of India map with the permission of the Surveyor General of India

© Government of India copyright, 200

The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line

कर्नाटक
KARNATAKA
व्यक्तियों और स्त्रियों की साक्षरता दर
LITERACY RATE FOR PERSONS AND FEMALES
2001



Based upon Survey of India map with the permission of the Surveyor General of India.

The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line

© Government of India copyright, 2001

गणना ब्लाक का नज़री नक्शा
LAYOUT MAP OF AN ENUMERATION BLOCK

ಬ್ಲಾಕ್ ನಂಬರ್ 0129

MAP 7

ಮುಖಪುಟ/ಜನಗಣತಿ

ಭಾರತದ ಜನಗಣತಿ 2001

ಗಣತಿಯ ಮುಂಚೆ ಮುಖ್ಯಾಧಿಕಾರಿಯಿಂದ ಭರ್ತಿ ಮಾಡಲ್ಪಡಬೇಕು. ಕಡಾಪಿಟ್ಟು ಸಹಿಯಾಗಿ ಮತ್ತು ಸ್ಪುಟವಾಗಿ ಇರಲಿ.

ನಿರ್ದೇಶಕರ ಕಛೇರಿ

ರಾಜ್ಯ/ಕೇಂದ್ರಾಡಳಿತ ಪ್ರದೇಶದ ಹೆಸರು ..... ಕರ್ನಾಟಕ

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ 2 1 6

ಜಿಲ್ಲೆಯ ಹೆಸರು ..... ಬೆಳಗಾವಿ

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ 0 1 1

ತಾಲ್ಲೂಕು/ತಹಸೀಲ್/ಪೋ.ಉ./

ಪ.ಬ್ಲಾ./ವೃತ್ತ/ಮಂಡಲ. –

ಗ್ರಾಮದ ಹೆಸರು ..... ರಾಮದುರ್ಗ

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ 0 0 1 0

ಪಟ್ಟಣ/ಗ್ರಾಮಾಂತರ ಹೆಸರು ..... ಕರಡಿಕುಪ್ಪಿ

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ 0 0 1 1 8 5 0 0

ಸಂಖ್ಯೆ ಮತ್ತು/ಅಥವಾ

ವಾರ್ಡಿನ ಹೆಸರು: .....

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ ....

ಗಣತಿದಾರರ ಬ್ಲಾಕ್ ಸಂಖ್ಯೆ 0 1 2 9

ಟಿಪ್ಪಣಿಗಳು :

ಬ್ಲಾಕಿನ ಗಡಿಲಿಖಿತಗಳು ....

ಸೂಚನೆ : ಮನೆಪಟ್ಟಿ ಮತ್ತು ಜನಗಣತಿ ಅಂಶಾಚರಣೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಸದರಿ ಬ್ಲಾಕಿನ ವಿಚಕ್ಷಣ ಶೈಲಿಯನ್ನು. ಬ್ಲಾಕಿನ ಎಲ್ಲಾ (ಉತ್ತರ, ಪೂರ್ವ, ಪಶ್ಚಿಮ ಮತ್ತು ಪಶ್ಚಿಮ) ದಿಕ್ಕುಗಳಲ್ಲಿರುವ ಬಳಸುವ ಬ್ಲಾಕಿಗೆ ಸಂಖ್ಯೆ ಮತ್ತು ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ಕಡುಮಾಡಿರಿ.

ಬಳಸಿ ಬ್ಲಾಕಿನ (ಮನೆಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ)

ಪಾರಂಭ .... ☐

ಪಾರಂಭಗೊಂಡ .... ▨

ಕಚ್ಚಾ ಬ್ಲಾಕಿನ (ಮನೆಪಟ್ಟಿಯಲ್ಲಿ)

ಪಾರಂಭ .... △

ಪಾರಂಭಗೊಂಡ .... ◬

ಮುಖ್ಯ ರಸ್ತೆ .... ═══

ಇತರ ರಸ್ತೆ .... ═══

ಕಾಲುದಾರಿ .... – – –

ರೈಲ್ವೆ ಪಾರಂಗ .... ─┼─┼─

ನದಿ .... ≈≈≈

ಸರೋವರ .... ≈≈≈

ಕೊಳ .... ≈≈≈

ಶಾಲೆ/ಕಾಲೇಜು/ಕ್ರೈಮಂಟ್ಸ .... ⊙

ದೇವಸ್ಥಾನ, ಮಸೀದಿ, ಚರ್ಚ್, ಗುರುದ್ವಾರ, ಇತ್ಯಾದಿ

ಹಾಲ್, ದವಾಖಾನೆ, ಸಂಚಾರಿ ಕಛೇರಿ,

ಅಂಚೆ ಕಛೇರಿ, ಇತ್ಯಾದಿ .... ಅ ಕ ಪ ಪ

ಸೂಚನೆ : 1. ಬ್ಲಾಕಿನಲ್ಲಿರುವ ಪ್ರಮುಖವಾದ ರಸ್ತೆ, ರೈಲು, ಹೊಳೆಯ ಇತ್ಯಾದಿಗಳ ಹೆಸರನ್ನು ತಪ್ಪದೆಯಿರಿ. ಪ್ರಮುಖ ಕಛೇರಿಗಳಾದ ದೇವಸ್ಥಾನಗಳು, ಶಾಲೆಗಳು, ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗಳು, ಬಸ್ಸುನಿಲ್ದಾಣಗಳು, ಆಟದ ಬೈಲುಗಳು, ಇತ್ಯಾದಿಗಳ ಹೆಸರನ್ನು ಸೂಚಿಸಿ.

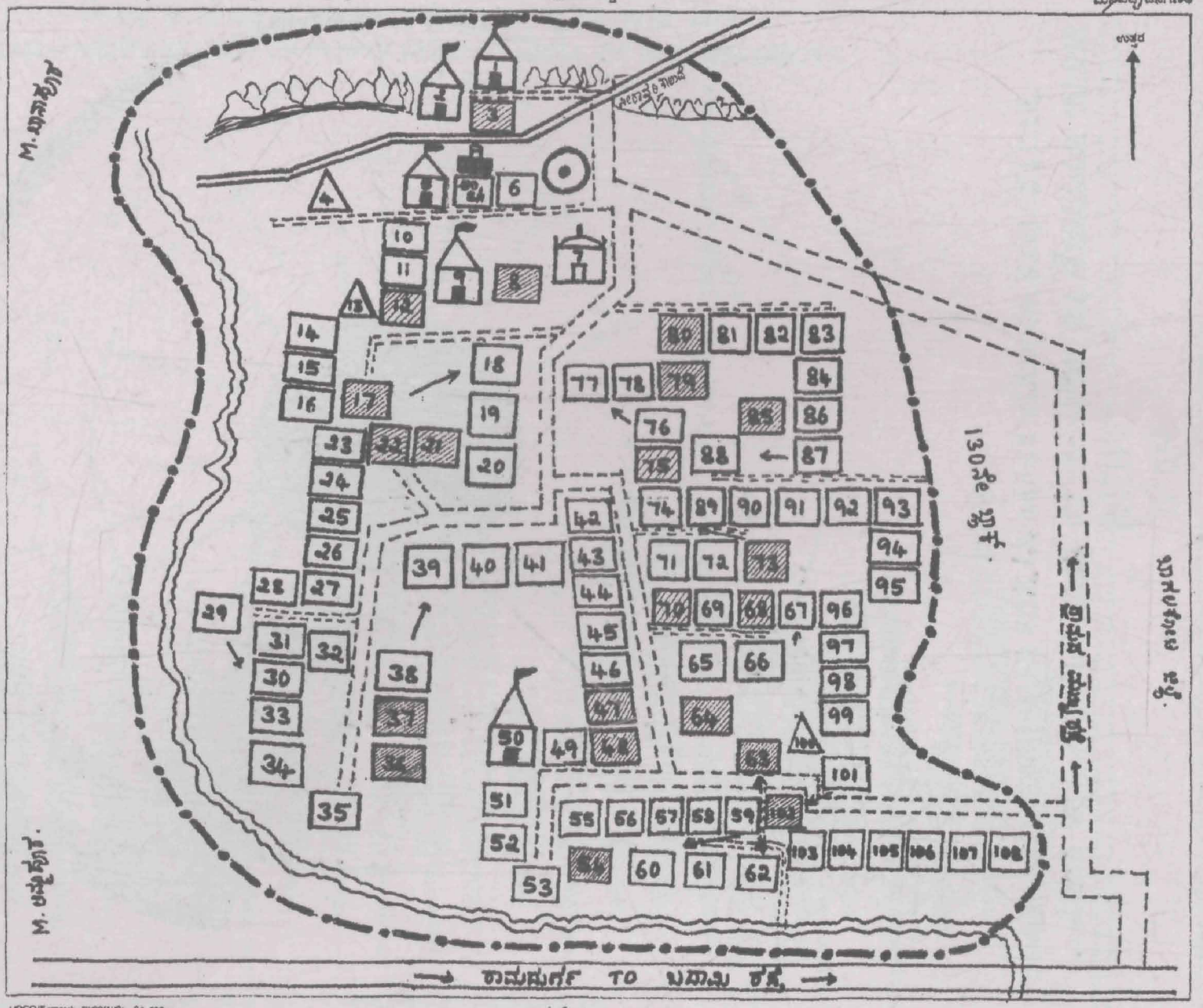
2. ಬ್ಲಾಕಿನ ಸುತ್ತಲಿನ ಸೀಮೆಯಲ್ಲಿರುವ ಪ್ರದೇಶ ದಿಕ್ಕಿನ ಮೂಲ ಗಡಿಯನ್ನು ಮಾತ್ರ ಇರಲಿ.

ಗಣತಿದಾರನ ಹೆಸರು ..... ಶ್ರೀ. ಬಿ. ಟಿ. ಕೆಂಗನೆರಿ.

ನಿರ್ದೇಶಕರ ಸಹಿ ..... ಸಿ.ಟಿ. ಮಂಜುನಾಥ್ ಕೆ.ಎ.ಎಸ್

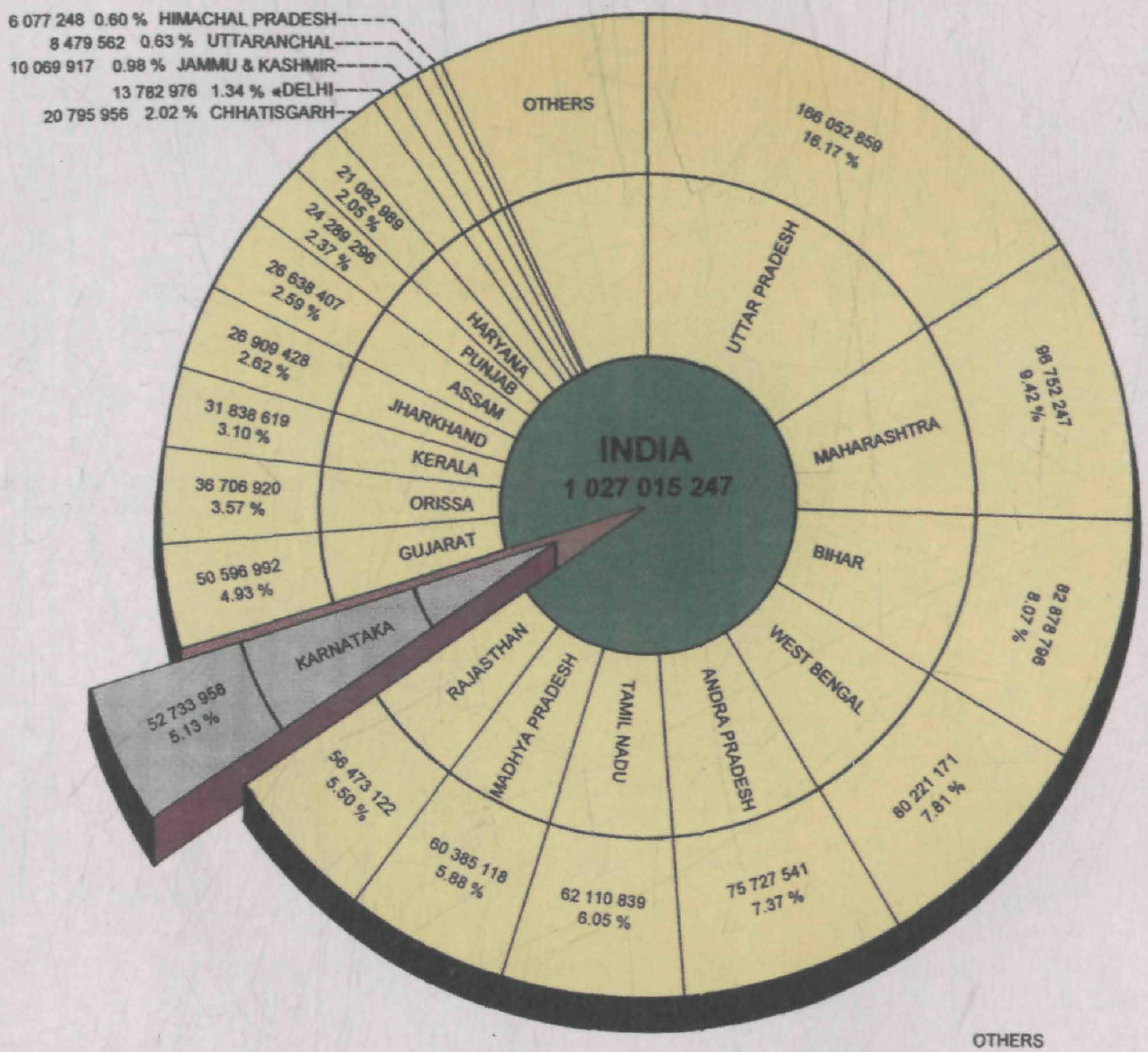
ಮೇಲ್ವಿಚಾರಕರ ಸಹಿ ಮತ್ತು ನಿರ್ದೇಶಕರ ..... [signature]

ತೇದಿ 5.2.01. ದಿನಾಂಕ.



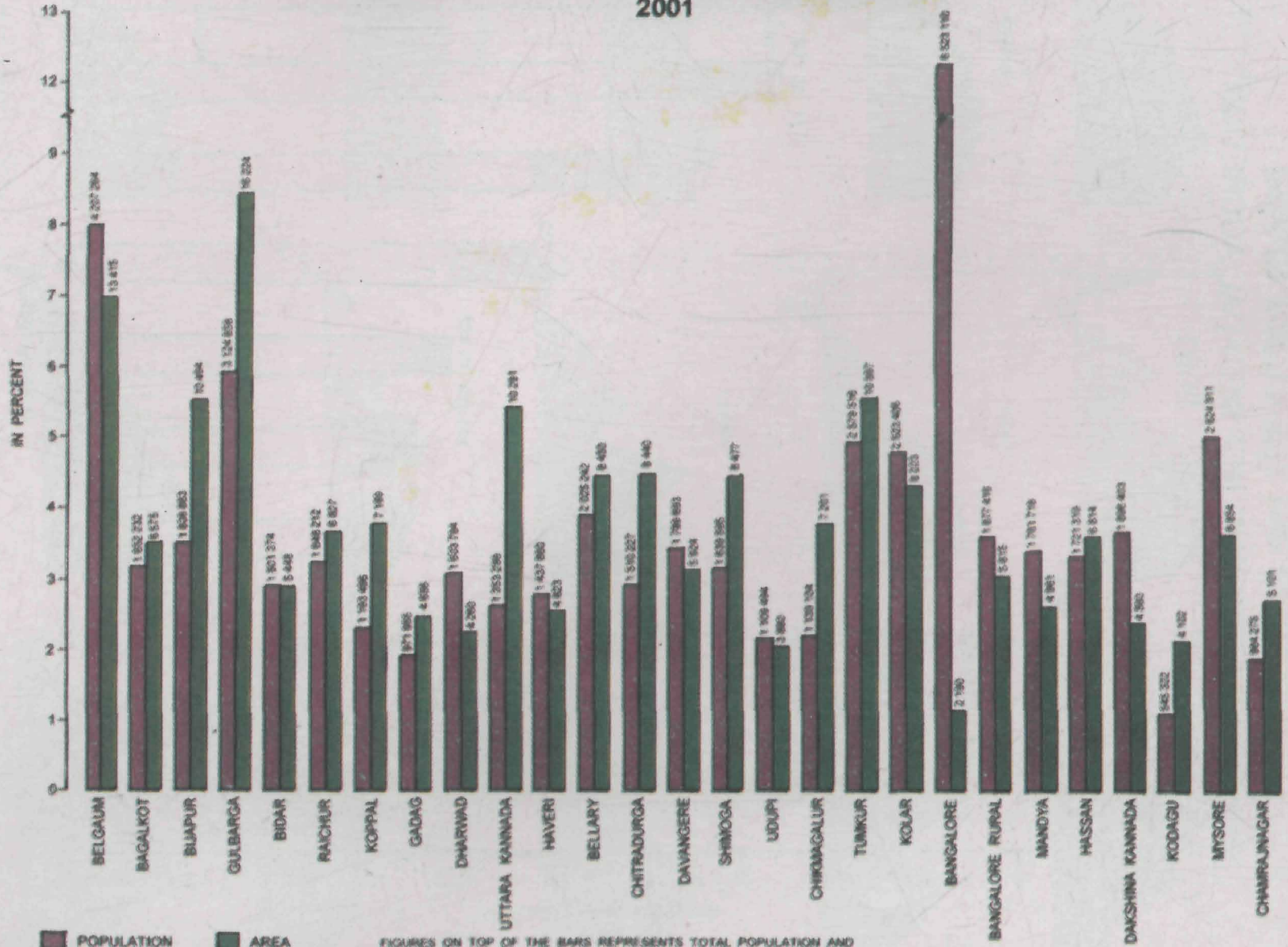
I/DCO/Karnataka/2001(1V9)—90,500 cps.

भारत
INDIA
राज्यों और संघ राज्य-क्षेत्रों की जनसंख्या का तुलनात्मक आकार
COMPARATIVE SIZE OF POPULATION OF STATES / UTs*
2001

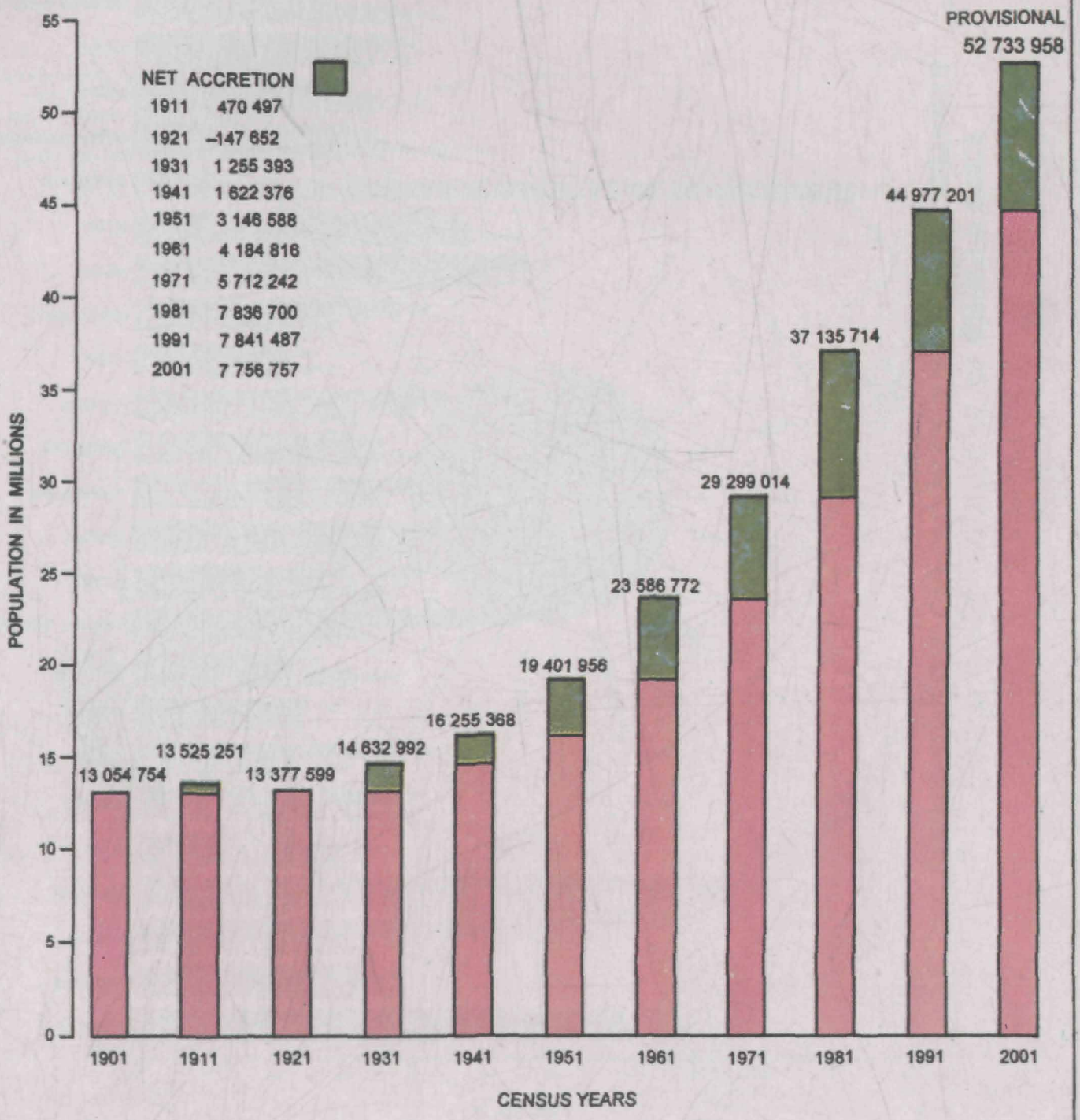


OTHERS		
TRIPURA	3 191 168	0.31 %
MANIPUR	2 388 634	0.23 %
MEGHALAYA	2 306 069	0.22 %
NAGALAND	1 988 636	0.19 %
GOA	1 343 998	0.13 %
ARUNACHAL PRADESH	1 091 117	0.11 %
* PONDICHERRY	973 829	0.10 %
* CHANDIGARH	900 914	0.09 %
MIZORAM	891 058	0.09 %
SIKKIM	540 493	0.05 %
* ANDAMAN & NICOBAR ISLAND	356 265	0.03 %
* DADRA & NAGAR HAVELI	220 451	0.02 %
* DAMAN & DIU	158 059	0.02 %
* LAKSHADWEEP	60 595	0.01 %

कर्नाटक
KARNATAKA
जिलों के क्षेत्रफल तथा जनसंख्या का तुलनात्मक आकार
COMPARATIVE SIZE OF POPULATION & AREA OF THE DISTRICTS
2001



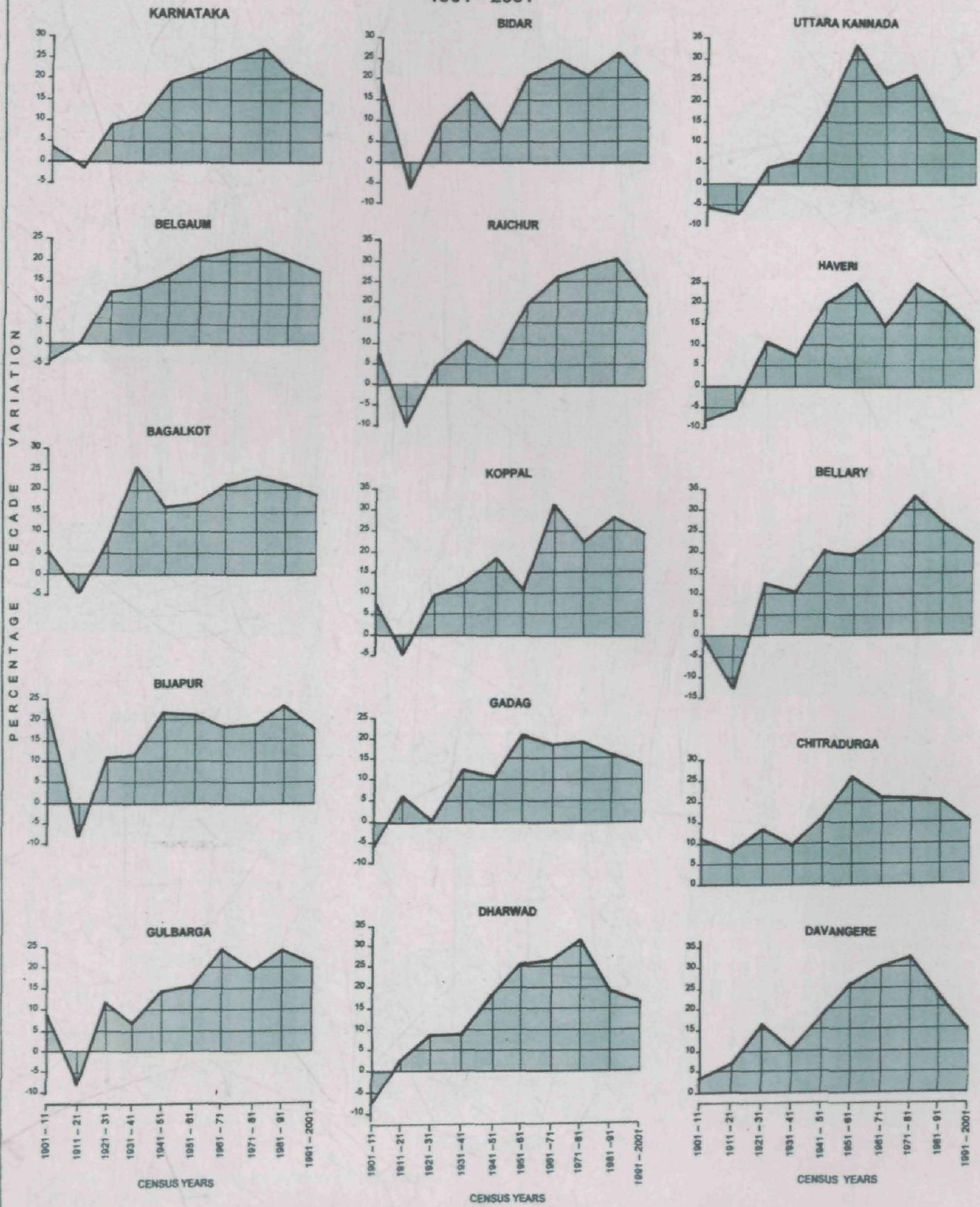
कर्नाटक
KARNATAKA
जनसंख्या तथा शुद्ध दशकीय अभिवृद्धि
POPULATION AND NET DECADAL ACCRETION
1901 - 2001

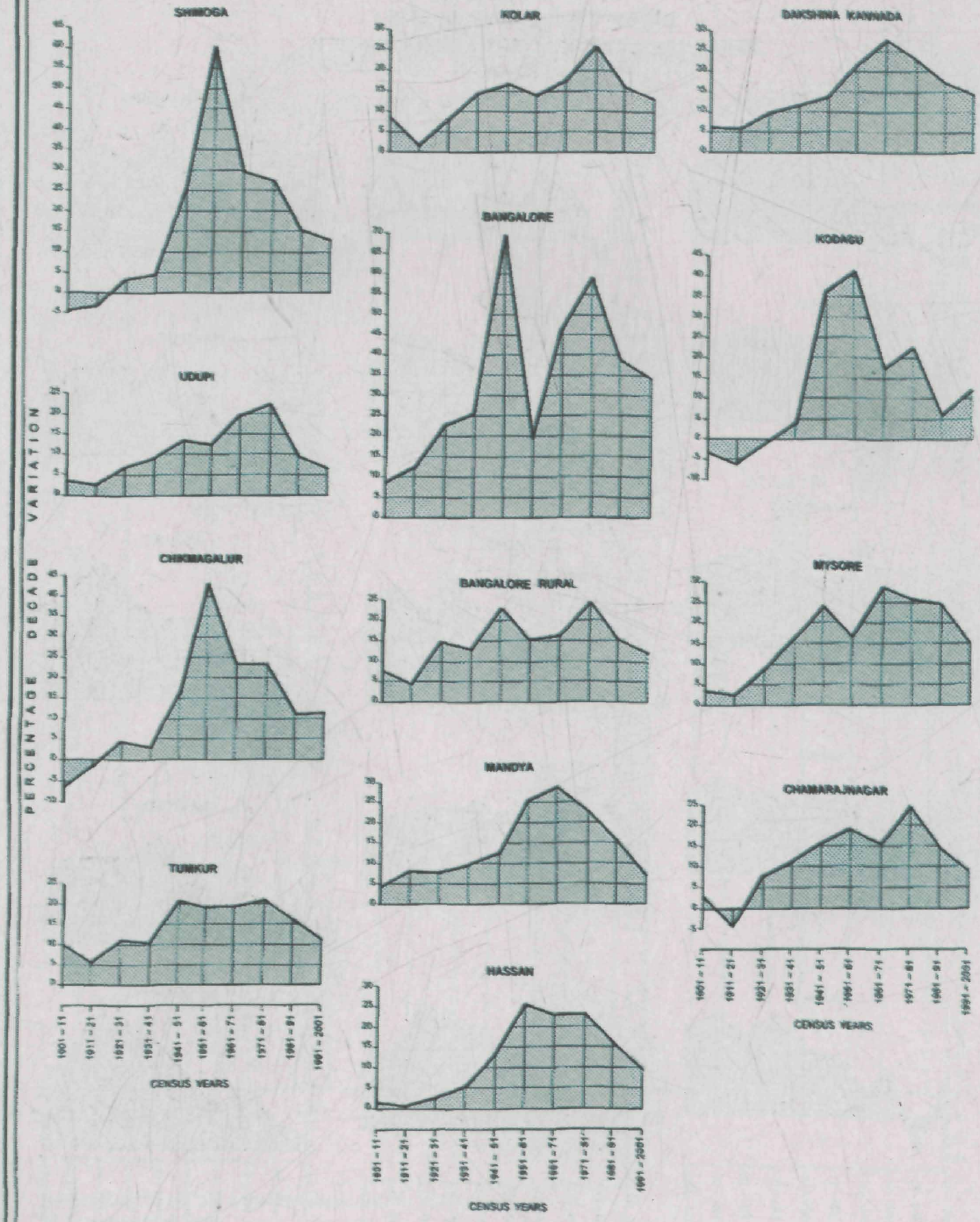


FIGURES ON TOP OF THE BARS REPRESENTS TOTAL POPULATION FOR EACH CENSUS YEAR

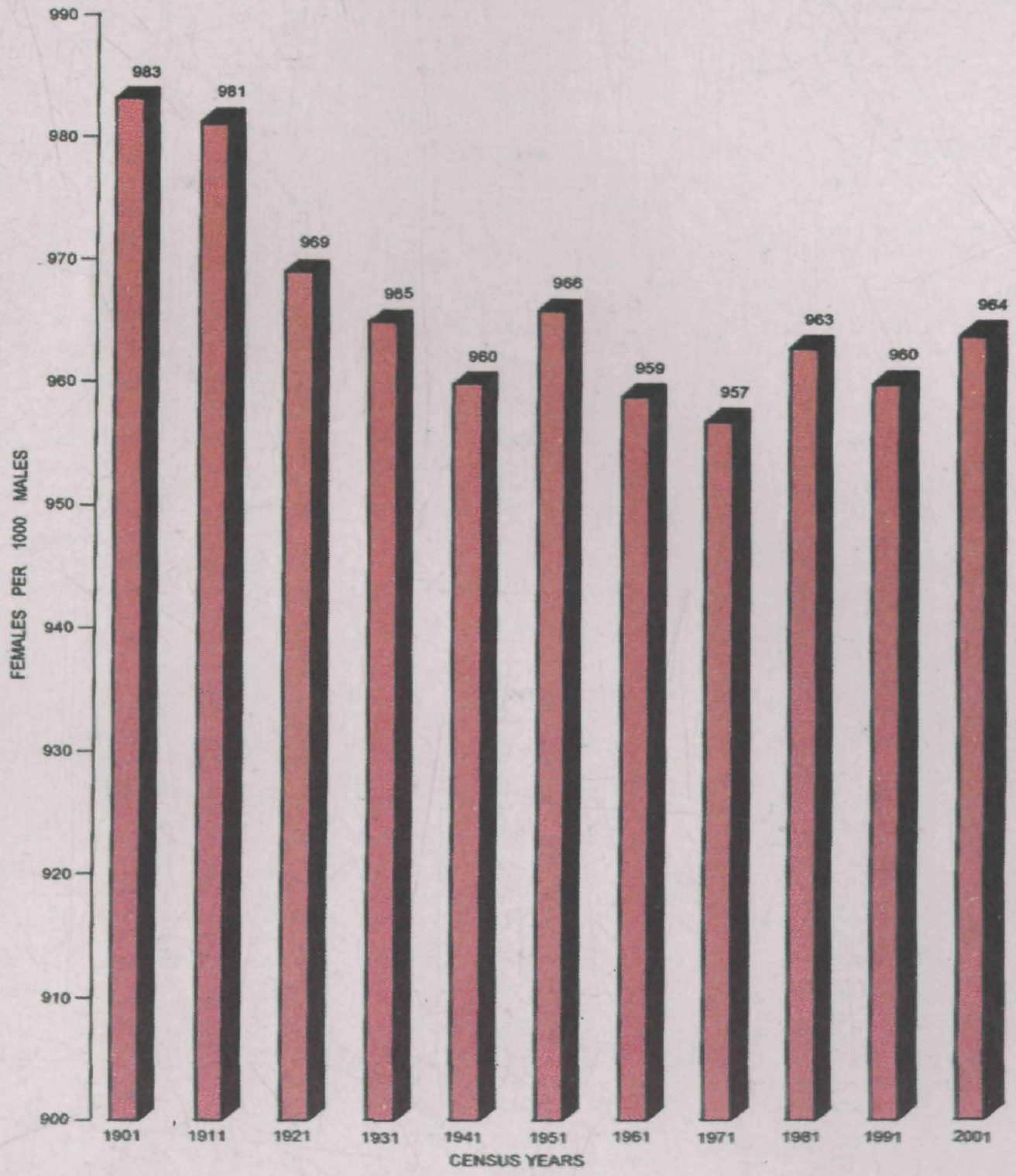
A

कर्नाटक
KARNATAKA
प्रतिशत दशकीय जनसंख्या वृद्धि
PERCENTAGE DECADAL POPULATION GROWTH
1901 - 2001




SHIMOGA
KOLAR
DAKSHINA KANNADA
BANGALORE
KODAGU
UDUPI
CHIKMAGALUR
BANGALORE RURAL
MYSORE
MANDYA
CHAMARAJNAGAR
TUMKUR
HASSAN
PERCENTAGE DECADE VARIATION
1901 - 11
1911 - 21
1921 - 31
1931 - 41
1941 - 51
1951 - 61
1961 - 71
1971 - 81
1981 - 91
1991 - 2001
CENSUS YEARS

कर्नाटक
KARNATAKA
स्त्री-पुरूष अनुपात
SEX RATIO
1901 - 2001



FIGURES ON TOP OF THE BARS REPRESENTS SEX RATIO FOR EACH CENSUS YEAR

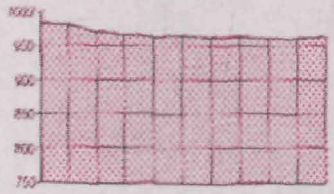
A

कर्नाटक
KARNATAKA

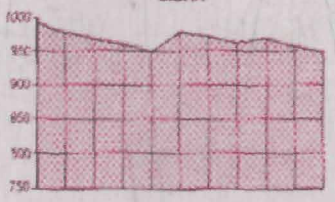
स्त्री-पुरूष अनुपात की प्रवृत्तियां
TRENDS IN SEX RATIO
1901 - 2001

FEMALES PER 1000 MALES

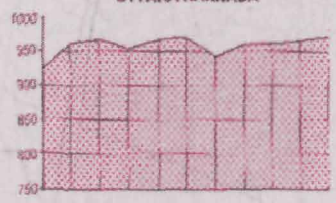
KARNATAKA



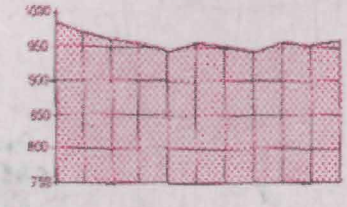
BIDAR



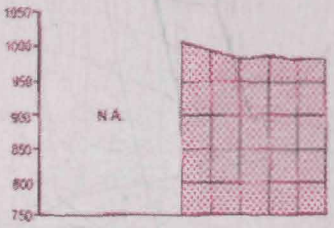
UTTARA KANNADA



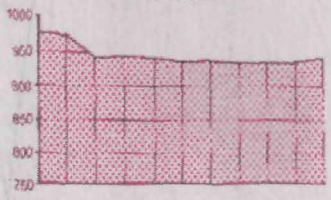
BELGAUM



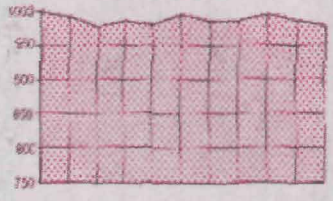
RAICHUR



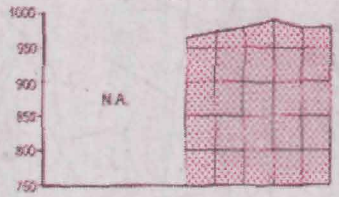
HAVERI



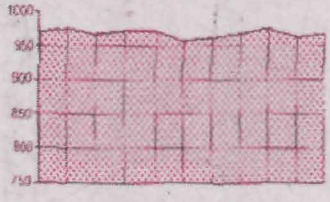
BAGALKOT



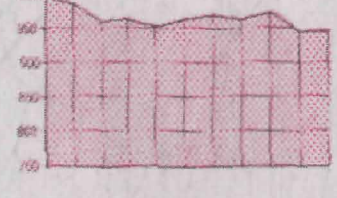
KOPPAL



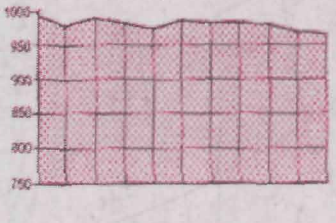
BELLARY



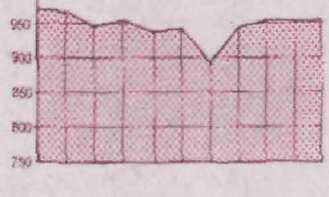
BIJAPUR



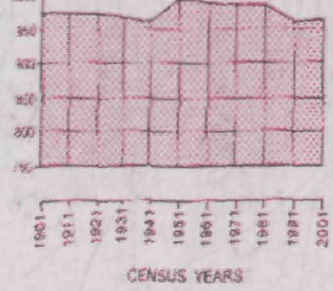
GADAG



CHITRADURGA

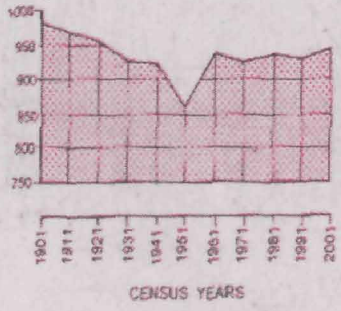


GULBARGA



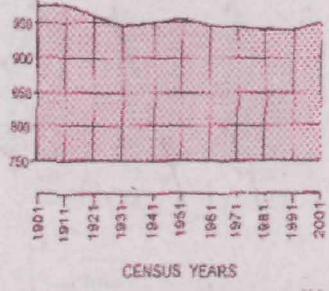
CENSUS YEARS

DHARWAD



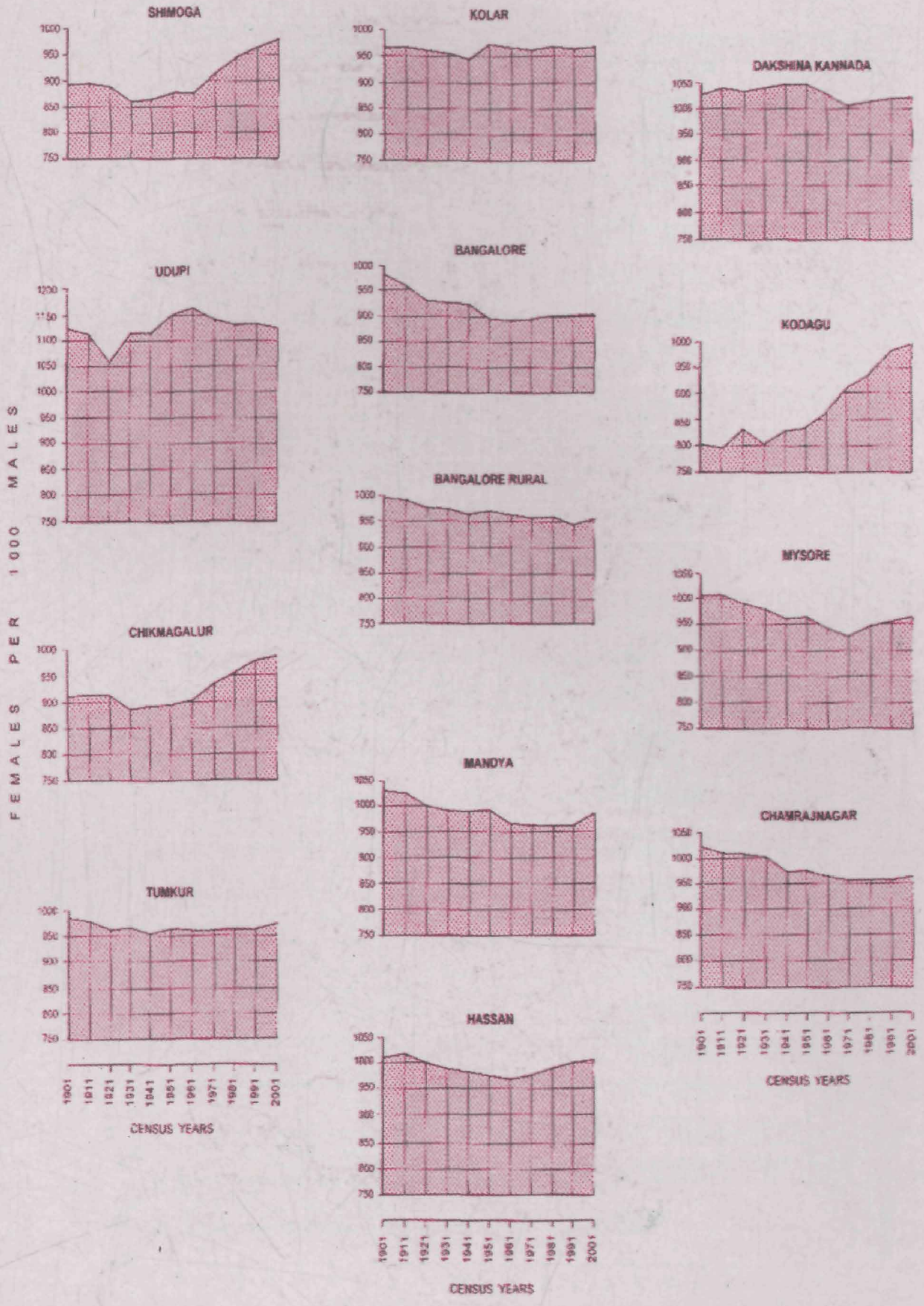
CENSUS YEARS

DAVANGERE

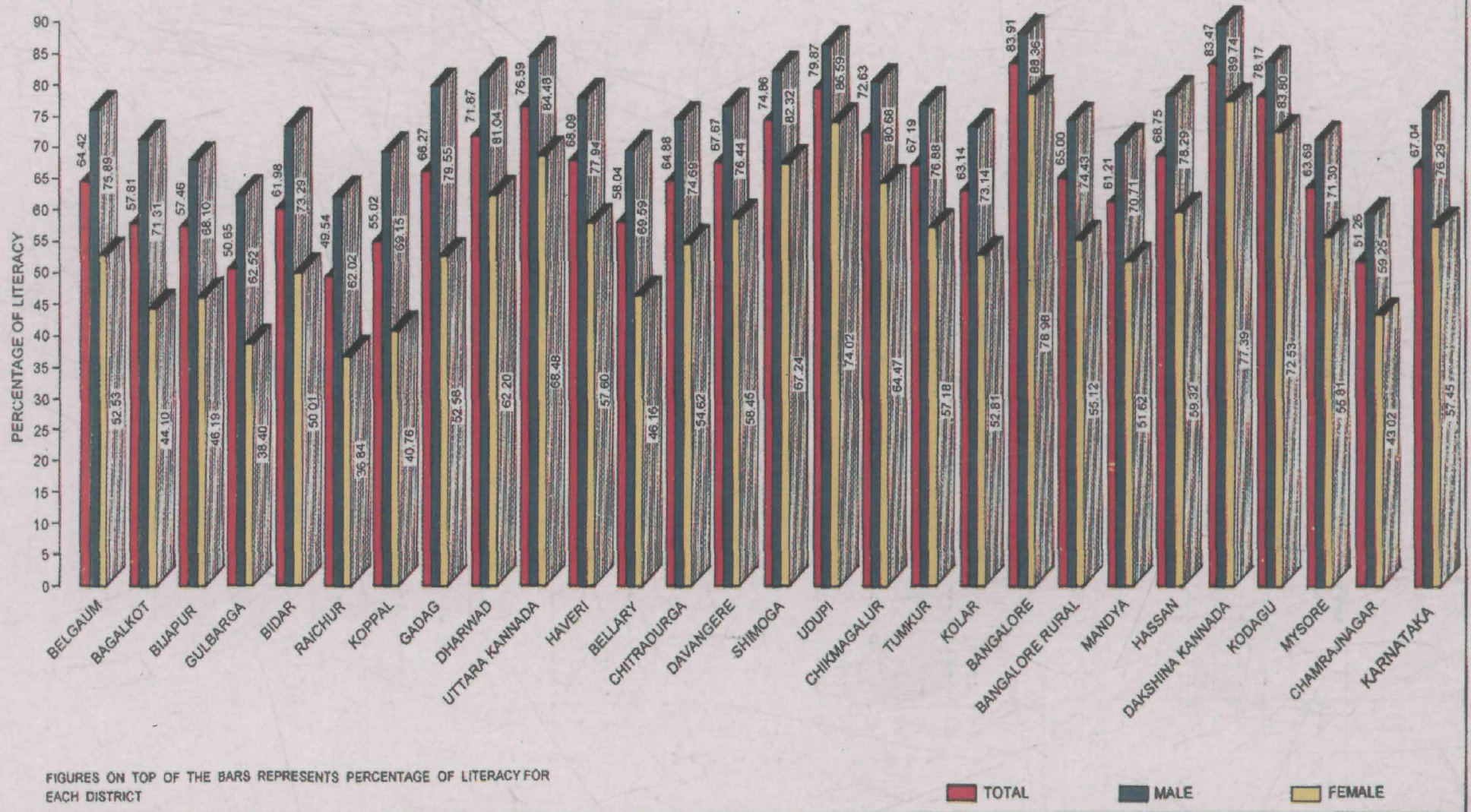


CENSUS YEARS

N.A. - Data not available

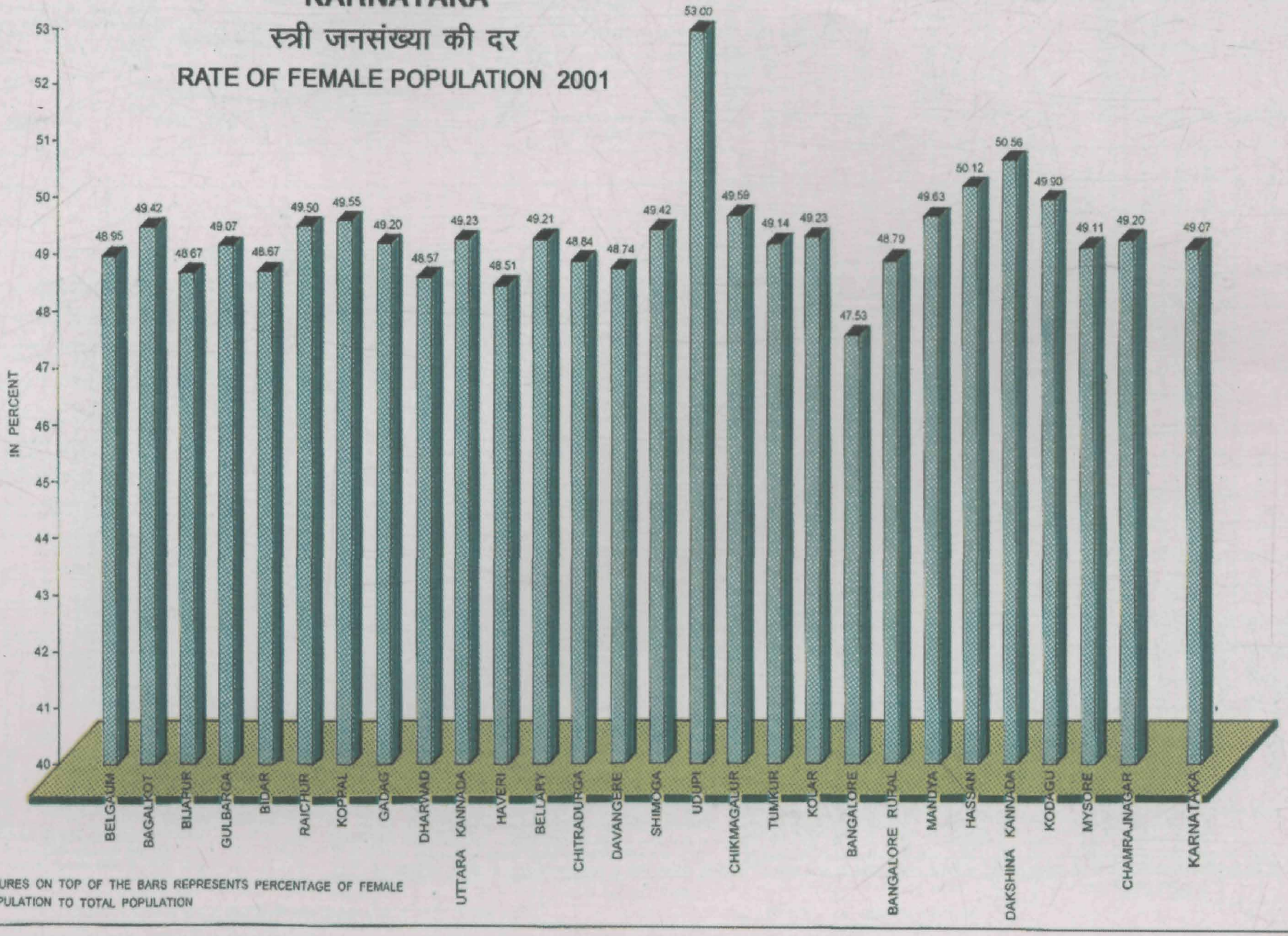

SHIMOGA
KOLAR
DAKSHINA KANNADA
UDUPI
BANGALORE
KODAGU
BANGALORE RURAL
MYSORE
CHIKMAGALUR
MANDYA
CHAMRAJNAGAR
TUMKUR
HASSAN
FEMALES PER 1000 MALES
1901
1911
1921
1931
1941
1951
1961
1971
1981
1991
2001
CENSUS YEARS

कर्नाटक
KARNATAKA
जिलों की साक्षरता दर
LITERACY RATE OF DISTRICTS
2001



FIGURES ON TOP OF THE BARS REPRESENTS PERCENTAGE OF LITERACY FOR EACH DISTRICT

कर्नाटक
KARNATAKA
स्त्री जनसंख्या की दर
RATE OF FEMALE POPULATION 2001



FIGURES ON TOP OF THE BARS REPRESENTS PERCENTAGE OF FEMALE POPULATION TO TOTAL POPULATION

परिशिष्ट-1
भारत की जनगणना 2001 - मकानसूची अनुसूची

अंकों का प्रारूप केवल निम्नलिखित रूप से करें
0 1 2 3 4 5 6 7 8 9 A

गणना के पश्चात् पर्यवेक्षक

कुल संख्या

प्रशासनिक विवरण :
(1) राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र का नाम..... कोड नं.
(2) जिले का नाम..... कोड नं.
(3) तहसील/ तालुक/ पुलिस थाना/ विकास खण्ड/ सर्किल/ मंडल आदि का नाम..... कोड नं.
(4) नगर/ ग्राम का नाम..... कोड नं.
(5) वार्ड का नम्बर और/ या नाम..... कोड नं.
(6) मकान सूचीकरण खण्ड नं.

कालम 1	कालम 2	कालम 3	कालम 4	कालम 5	कालम 6	कालम 7	कोड नं.	कालम 8	कालम 9	कालम 10	कालम 11	कालम 12	कालम 13	कालम 14	कालम 15	कालम 16	कालम 17	कालम 18	कालम 19	कालम 20	कालम 21	कालम 22	कालम 23	कालम 24	कालम 25	कालम 26	कालम 27	कालम 28	कालम 29	कालम 30	कालम 31	कालम 32	कालम 33	कालम 34
1	2	3	4	5	6	7		8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34

अंकों का प्रयोग केवल निम्नलिखित रूप से करें
0 1 2 3 4 5 6 7 8 9

B

भारत की जनगणना 2001 - मकानसूची अनुसूची

भारत के महापंजीयक

पृष्ठ संख्या

क्षेत्रीय विवरण :

(1) राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र का नाम ..... कोड नं. (2) जिले का नाम ..... कोड नं. (3) तहसील/ तालुका/ पुलिस थाना/ विकास खण्ड समिति/ मंडल आदि का नाम ..... कोड नं.

(4) नगर/ गाँव का नाम ..... कोड नं. (5) वार्ड का नम्बर और/ या नाम ..... कोड नं. (6) मकान सूचीकरण खण्ड नं.

मकान क्रमांक	भवन नम्बर (नगर पालिका या स्थानीय प्राधिकरण या जनगणना नम्बर)	जनगणना मकान नम्बर	जनगणना मकान की छतें, दीवार और फर्श में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री (नीचे दी गई संकेतित सूची से उपयुक्त कोड नम्बर दर्ज करें) छत	दीवार	फर्श	जनगणना मकान के उपयोग का वास सगार्थ (वास्तविक उपयोग लिखें। इसके अलावा नीचे दी गई विभिन्न उपयोगों की सूची में से इस उपयोग के उपयुक्त कोड नम्बर का चयन करें और इसे कालम 8 में तथा अन्य में दर्ज करें)	कोड नं.	यदि कालम 7 का उत्तर "अन्य" है तो उसका विवरण दें	इस कोठरी या तंबू में रहने वाले जनगणना मकान सूचीः यदि अलग से परिवार का नाम लिखा गया है तो "1" लिखें अन्यथा "2" लिखें	इस परिवार में सामान्यतः रहने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या पुरुष	महिला	कुल	परिवार के मुखिया का सम्बन्धित विवरण परिवार के मुखिया का नाम	मुखिया-पद कोड-2	मुखिया का लिंग पुरुष-1 महिला-2
1	2	3	4	5	6	7		8	9	10	11	12	13	14	15

कालम 16 से 34 सामान्य परिवारों के लिए भरें। संस्थागत परिवारों और गैर-आवासीय जनगणना मकानों के लिए डैश (-) लगायें

| इस मकान का उपयोग घर के लिए? अन्यथा-1 बिजनेस के लिए-2 | इस परिवार के पास रहने के लिए उपलब्ध कमरों की संख्या[2] (0,1,2,3.....जितने हों) | इस परिवार के पास रसोई घर है? हाँ-1 नहीं-2 | रसोई घर में खाना बनाने के लिए प्रयुक्त प्रमुख ईंधन[3] | रसोई घर में खाना बनाने के लिए प्रयुक्त ईंधन की खपत[4] (0,1,2,3.....जितने हों) | क्या इस परिवार के पास बिजली का कनेक्शन है? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के पास रेडियो/ ट्रांजिस्टर है? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के पास टेलीविजन है? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के पास इंटरनेट की सुविधा है? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के पास कम्प्यूटर है? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के पास टेलीफोन/ लैंडलाइन/ मोबाइल है? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के पास साइकिल है? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के पास स्कूटर/ मोटर साइकिल/ मोपेड है? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के पास कार/ जीप/ वैन है? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के सदस्य किसान परिवार से हैं? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के पास किसान क्रेडिट कार्ड है? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के पास मछली पकड़ने की नौका है? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के पास मछली पकड़ने का जाल है? हाँ-1 नहीं-2 | क्या इस परिवार के पास मछली पकड़ने की नौका और जाल दोनों हैं

परिशिष्ट-2

भारत की जनगणना 2001 : परिवार अनुसूची

भारत के महापंजीयक A

अको का प्रयोग केवल निम्नलिखित रूप से करें :

0	1	2	3	4	5	6	7	8	9

अनुसूची संख्या

भाग I - प्रलेखन विवरण :

राज्य/संघ राज्यक्षेत्र का नाम ..... कोड नं

जिले का नाम ..... कोड नं

स्वशासी/सालुक/पुलिस थाना/ विकास खण्ड/सर्किल/मंडल आदि का नाम ..... कोड नं

नगर/गाँव का नाम ..... कोड नं.

वार्ड का नम्बर और/या नाम ..... कोड नं

गणना ब्लाक नम्बर .....

परिवार को क्रम संख्या (संक्षिप्त मकान सूची के कालम 1 से उतारी जाए)

परिवार का प्रकार : (उपयुक्त कोड नम्बर दें) सामान्य-1 / संस्थागत-2 / बेघर-3

भाग II : व्यक्तिगत विवरण :

क्रम संख्या	प्र.1 व्यक्ति का नाम	प्र.2 परिवार के मुखिया से संबंध (संबंध विस्तार से दर्ज करें)	प्र 3 लिंग : पुरुष-1 / स्त्री-2	प्र 4 आयु गत जन्मदिन या (पूर्ण वर्षों में)	प्र 5 वर्तमान वैवाहिक स्थिति (लिखे गये सूची में कोड नम्बर दें)	प्र 6 विवाह के समय आयु (पूर्ण वर्षों में), यदि कालम 6 में कोड 2, 3 या 4 हो	प्र 7 धर्म (धर्म का पूरा नाम लिखें) निम्नलिखित धर्मों के लिए खाने में कोड नम्बर भी दें हिन्दू ..... 1 मुसलमान ..... 2 ईसाई ..... 3 सिक्ख ..... 4 बौद्ध ..... 5 जैन ..... 6 अन्य धर्मों के लिए धर्म का पूरा नाम लिखें, कोई भी कोड नम्बर न दें	प्र.8 यदि अनुसूचित जाति के है तो दी गई सूची से अनुसूचित जाति का नाम दर्ज करें (अनुसूचित जातियाँ केवल हिन्दू, सिक्ख और बौद्ध धर्म में हो सकती है)	प्र 9 यदि अनुसूचित जनजाति के है तो दी गई सूची से अनुसूचित जनजाति का नाम दर्ज करें (अनुसूचित जनजातियाँ किसी भी धर्म में हो सकती है)	प्र 10 मातृभाषा	प्र 11 अन्य भाषाओं का ज्ञान (प्रयोगना के क्रम में दो भाषाएं तक दर्ज करें)	प्र 12 साक्षरता की स्थिति साक्षर-1 / निरक्षर-2 पुरुष	स्त्री	प्र 13 प्राप्त शिक्षा का उच्चतम स्तर (यदि डिप्लोमा या डिग्री धारक है तो विशेषज्ञता का विषय भी दर्ज करें)	प्र. 14 विवरण एकत्र करने का कालम संख्या : साधारण-1 / साक्षरतर-2 / साक्षरतर बेघर-3 / साक्षर बेघर-4 / साक्षर संस्थागत-5 / साक्षर बेघर-6	प्र.15 यदि व्यक्ति शारीरिक/ मानसिक रूप से निःशक्त है तो नीचे दी गई सूची से उपयुक्त कोड नम्बर दें
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
1																
2																
3																
4																
5																
6																
7																
8																
9																
0																

व्यक्ति ☐ मद-1

प्रविष्टि '1' का योग ☞ पुरुष ☐ मद-2

प्रविष्टि '2' का योग ☞ स्त्रियाँ ☐ मद-2

पुरुष (0-6) ☐ ☜

स्त्रियाँ (0-6) ☐ ☜ मद-3

मद-3 के लिए 0-6 आयु वर्ग के बच्चों की गिनती करने के लिए कालम 4 से लिंग व कालम 5 से आयु देखें

पृष्ठवार योग करने के लिए टिप्पणियाँ

1 व्यक्तियों की गिनती कालम 2 से करें तथा मद-1 के लिए दिए गए खाने में कुल संख्या दर्ज करें ।

2 प्रश्न 3,4,12,16, और 7(i) के नीचे मद-2 से 12 के पृष्ठवार योग पुरुषों व स्त्रियों के लिए अलग से करें।

प्र 5 के लिए कोड नम्बर (वैवाहिक स्थिति)

अविवाहित 1

इस समय विवाहित 2

विधवा-विधुर 3

तलाकशुदा या संबंध विच्छेदित 4

उत्तरदाता का नाम .....

परिवार के मुखिया से संबंध .....

उत्तरदाता के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान एवं तिथि .....

गणक के हस्ताक्षर एवं तिथि .....

पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर एवं तिथि .....

साक्षर (प्रविष्टि '1' का योग) ☞ मद 4	पुरुष	स्त्री
निरक्षर (प्रविष्टि '2' का योग) ☞ मद-5		

प्र. 15 के लिए कोड (निःशक्तता के प्रकार)

देखने में 1

बोलने में 2

सुनने में 3

चलने-फिरने में 4

मानसिक रूप से 5

भारत की जनगणना 2001 : परिवार अनुसूची

भाग II - व्यक्तिगत विवरण : अनुसरण

परिवार की क्रम संख्या (सम्मिलित मकानसूची के कालम 1 से उतारी जाए)

अनुसूची संख्या

भारत के रजिस्ट्रार जनरल B

कार्मिकों एवं गैर कार्मिकों का विवरण

क्रम संख्या	प्र.1 व्यक्ति का नाम	प्र.16 क्या इस व्यक्ति ने गत वर्ष किसी भी समय कोई काम-काज किया? (इसमें घर-उत्पादन, पारिवारिक उद्यम अथवा किसी अन्य आर्थिक कार्यकलाप में अंशकालिक सहयोग या अवैतनिक काम भी शामिल है) हाँ : यदि 6 माह या उससे अधिक समय किया (दीर्घकालिक कर्मी) तो '1' लिखें तथा प्रश्न 17 पूर्ण करें / या यदि 6 माह से कम काम किया (अल्पकालिक कर्मी) तो '2' लिखें तथा प्रश्न 17 पूर्ण करें / या नहीं : यदि कोई भी काम नहीं किया (गैर-कर्मी) तो '3' लिखें तथा प्रश्न 18 और 19 पूर्ण करें		प्र.17 (I) दीर्घकालिक या अल्पकालिक कार्मी के लिये कार्यकलाप कोड लिखें (प्र.16 - हाँ : 1 / प्र.16 - 2 / प्र.16 - 3)		प्र.17 दीर्घकालिक या अल्पकालिक कार्मी का आर्थिक कार्यकलाप — यदि कालम 20 या 21 में कोड '3' (प्र.ह.) या कोड '4' (अ.क.) हो तो		प्र.17 (IV) कार्मी का वर्ग : नियमित-1 / अनियमित-2 / स्वरोजगार-3	प्र.18 यदि कालम 16 या 19 में कोड '2' (अल्पकालिक कार्मी) या कोड '3' (गैर कार्मी) है तो गैर-आर्थिक कार्यकलाप का कोड लिखें : गृह-कार्य-4 / शिक्षार्थी-5 / अन्य-6	प्र.19 यदि अल्पकालिक कार्मी या गैर-कार्मी है तो क्या व्यक्ति काम की खोज में है/काम के लिए उपलब्ध है? हाँ-1 / नहीं-2	प्र.20 कार्य स्थान यदि कालम 20 या 21 में कोड '4' (अ.क.) है तो		प्र.20 क्या व्यक्ति का कार्य स्थान उसके निवास से बाहर है? (नहीं हो तो गृह कार्य लिखें)
		पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	प्र.17 (II) व्यक्ति का पेशा (व्यक्ति के वास्तविक कार्य का विवरण दें)	प्र.17 (III) नहीं व्यक्ति कार्यरत है/या अथवा जो उसका अपना रोजगार हो उस उद्योग, व्यापार अथवा सेवा के स्वरूप का पूरा ब्यौरा दें							प्र.20 (I) निवास से कार्य स्थान तक की दूरी किलोमीटर में	प्र.20 (II) यदि स्थान कस्बा या शहर के भीतर है/बाहर के लिए उपलब्ध है? हाँ-1 / नहीं-2
1	2	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27			28	
1															
2															
3															
4															
5															
6															
7															
8															
9															
0															

स्थान परिवर्तन सम्बंधी विवरण

	प्र.2 जन्म स्थान क्या व्यक्ति का जन्म इसी गाँव/नगर में हुआ है? यदि 'हाँ', तो प्र.2 (i) और 2 (ii) में डैश (-) लगाएं वा यदि 'नहीं', तो निम्नलिखित विवरण दें :	प्र.22 पूर्व निवास स्थान क्या व्यक्ति किसी अन्य स्थान से इस गाँव/नगर में आया है? यदि 'नहीं', तो प्र.22 (i) से 22 (v) में डैश (-) लगाएं वा यदि 'हाँ', तो निम्नलिखित विवरण दें :	प्र.22 (iii) स्थान परिवर्तन के समय का निर्देश एवं निवास स्थान के क्रम से निर्देश : वर्तमान-1 / पहला-2 / दूसरा-3	प्र.22 (iv) वर्तमान के स्थान परिवर्तन का कारण (कोड दो नहीं पूर्ण न करें तक लिखें)	प्र.22 (v) स्थान परिवर्तन के समय इस जिले अथवा राज्य में निवास की अवधि (पूर्ण वर्षों में)
1	प्र.2 (i)	प्र.22 (i)			
	प्र.2 (ii)	प्र.22 (ii)			
2	प्र.2 (i)	प्र.22 (i)			
	प्र.2 (ii)	प्र.22 (ii)			
3	प्र.2 (i)	प्र.22 (i)			
	प्र.2 (ii)	प्र.22 (ii)			
4	प्र.2 (i)	प्र.22 (i)			
	प्र.2 (ii)	प्र.22 (ii)			
5	प्र.2 (i)	प्र.22 (i)			
	प्र.2 (ii)	प्र.22 (ii)			
6	प्र.2 (i)	प्र.22 (i)			
	प्र.2 (ii)	प्र.22 (ii)			
7	प्र.2 (i)	प्र.22 (i)			
	प्र.2 (ii)	प्र.22 (ii)			
8	प्र.2 (i)	प्र.22 (i)			
	प्र.2 (ii)	प्र.22 (ii)			
9	प्र.2 (i)	प्र.22 (i)			
	प्र.2 (ii)	प्र.22 (ii)			
0	प्र.2 (i)	प्र.22 (i)			
	प्र.2 (ii)	प्र.22 (ii)			

प्रजननता विवरण

प्र.21 प्रजननता

उन सभी महिलाओं के लिए जो इस समय विवाहित, विधवा, तलाक शुदा या संबंध विच्छेदित है				इस समय विवाहित महिलाओं के लिए
प्र.21 (i) इस समय जीवित बच्चों की संख्या (इस समय साथ न रह रहे पुत्रियों सहित पुत्रों को भी शामिल करें)	प्र.21 (ii) जीवित पैदा हुए बच्चों की संख्या (जीवित और मृत हुए पुत्र और पुत्रियाँ)	प्र.21 (iii) गत पूर्व वर्ष के दौरान जीवित पैदा हुए बच्चों की संख्या (1 फरवरी, 2000 के उपरान्त)	
पुत्रियाँ / पुत्र	पुत्रियाँ / पुत्र	पुत्रियाँ	पुत्र
34 / 35	36 / 37	38	39

प्र.17 (I) में प्रयुक्त संक्षेपाक्षर

का. ..... कारखाना
खे.म. ..... खेतिहर मजदूर
पा.उ. ..... पारिवारिक उद्योग कर्मी
अ.क. ..... अन्य कर्मी

प्र.20(II) के लिए कोड नम्बर (सफर का साधन)

पैदल	1
साइकिल	2
मोपेड/स्कूटर/मोटर साइकिल	3
कार/जीप/वैन	4
टेम्पो/आटोरिक्शा/टैक्सी	5
बस	6
रेल	7
जल परिवहन	8
कोई अन्य	9
सफर नहीं करते	0

प्र.22 (iv) के लिए कोड नम्बर (पूर्व निवास स्थान से स्थान परिवर्तन का कारण)

कामधाम/रोजगार	1
व्यापार	2
शिक्षा	3
विवाह	4
जन्म के पश्चात् स्थान परिवर्तन	5
परिवार के साथ स्थान परिवर्तन	6
कोई अन्य कारण	7

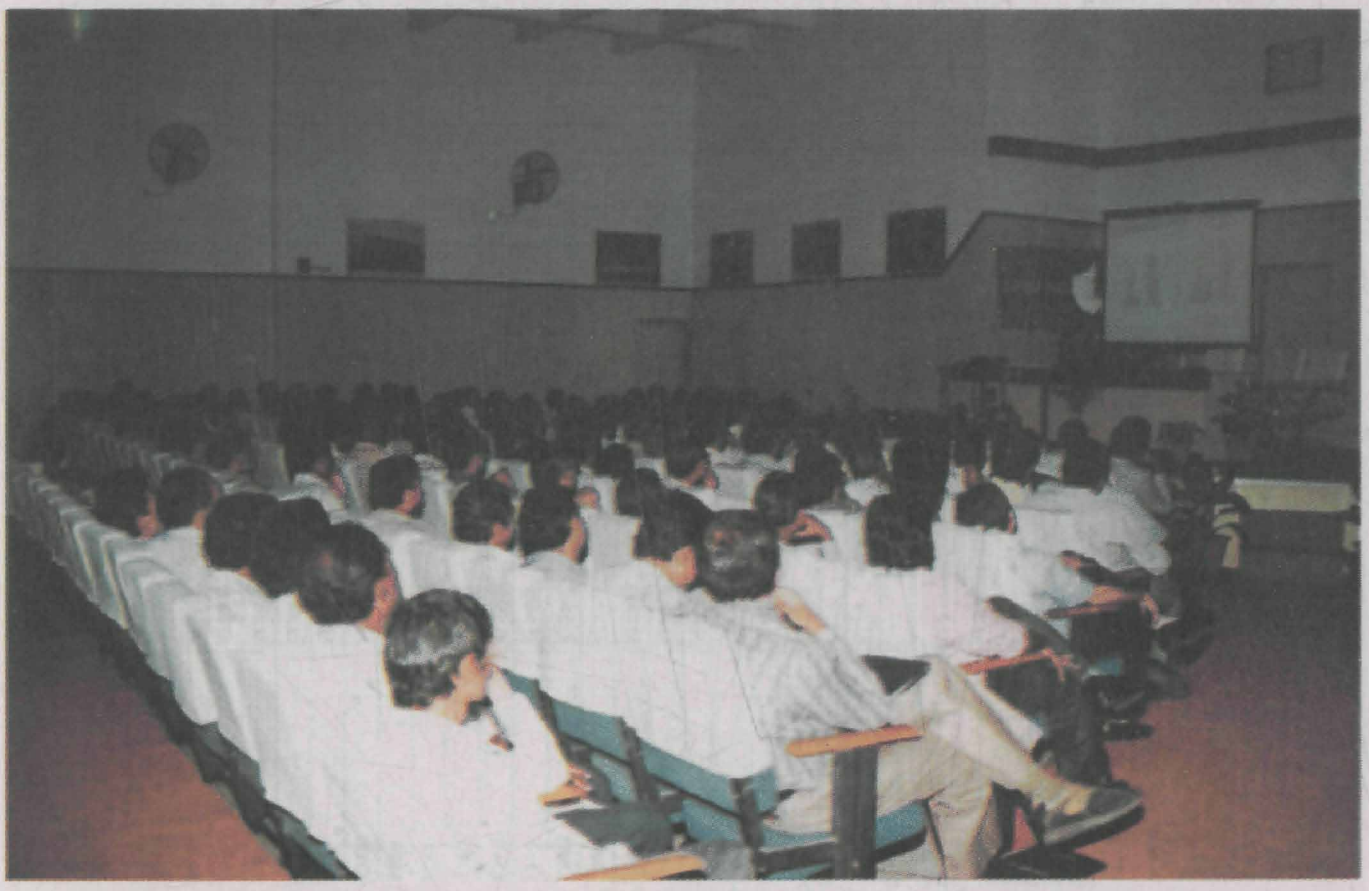
पुरुष / स्त्रियाँ

- दीर्घकालिक कर्मी (प्रविष्टि '1' का योग) ➡ वह-6
- अल्पकालिक कर्मी (प्रविष्टि '2' का योग) ➡ वह-7
- गैर-कर्मी (प्रविष्टि '3' का योग) ➡ वह-8

- का. वह-9 (प्रविष्टि '1' का योग)
- खे.म. वह-10 (प्रविष्टि '2' का योग)
- पा.उ. वह-11 (प्रविष्टि '3' का योग)
- अ.क. वह-12 (प्रविष्टि '4' का योग)

भाग III - काश्तकारी/बागान में कार्यरत परिवारों के लिए :

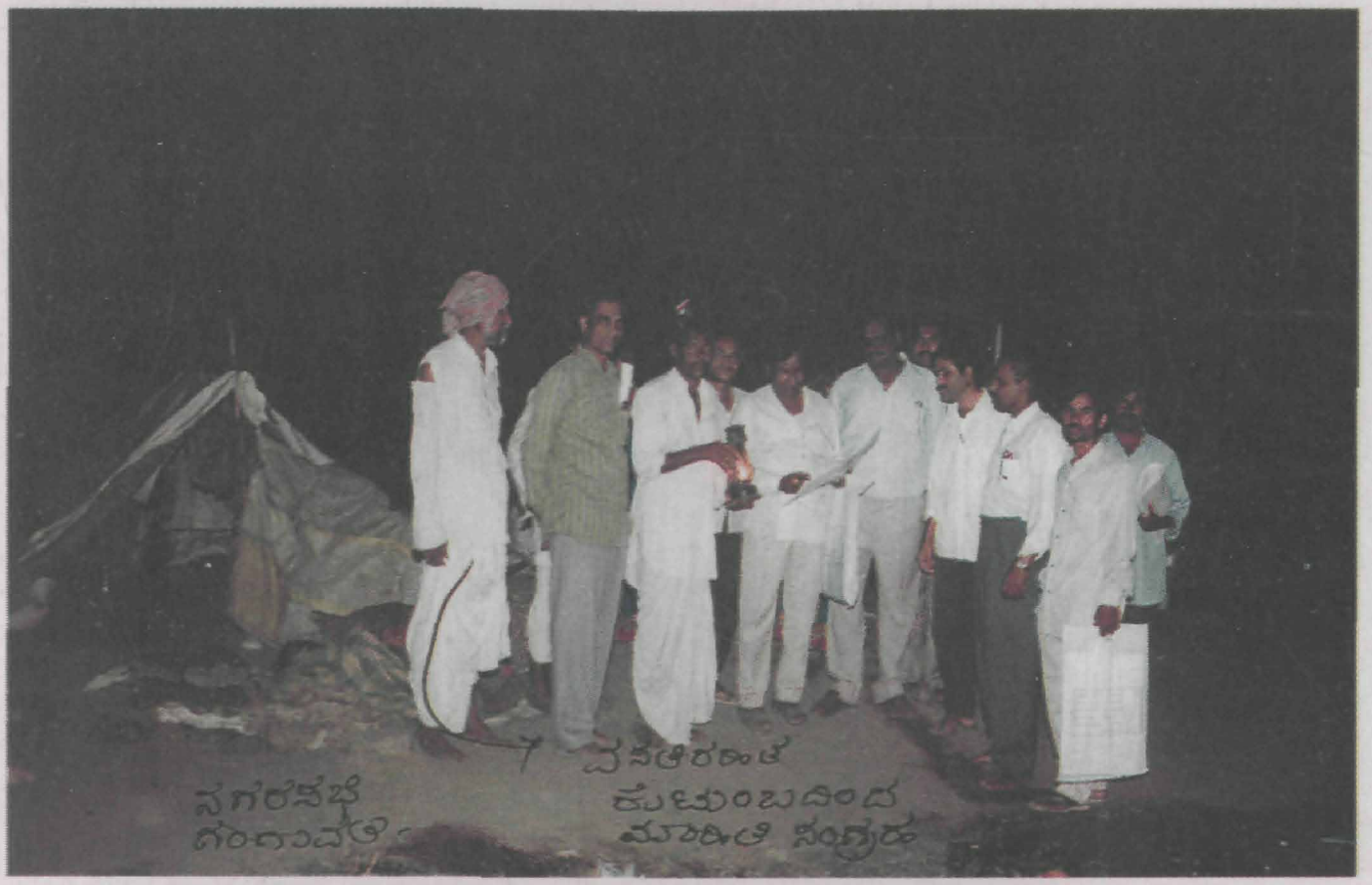
	हैक्टेयर	आर
(i) काश्तकारी/बागान भूमि का कुल निवल (Net) क्षेत्रफल		
(ii) सिंचाई वाली भूमि का निवल (Net) क्षेत्रफल		
(iii) काश्तकारी/बागान भूमि पर अधिकार की स्थिति : अपनी-1 / किराए की-2 / अपनी और किराए की-3		



बेंगलूर में दिनांक 8.11.2000 को जिला, अपर जिला और शहर जनगणना अधिकारियों के लिए आयोजित राज्य स्तरीय प्रथम प्रशिक्षण कार्यशाला



शहरी नगरपालिका परिषद, उडुपी में दिनांक 31.3.2001 को आयोजित तीसरे चरण की प्रशिक्षण कक्षाओं में आयोजित पर्यवेक्षण एवं प्रगणक



दिनांक 28.02.2001 की रात्रि को गंगावती नगर कोप्पल जिलें में बेधर लोगों की गणना



दिनांक 28.02.2001 की रात्रि को कलासीपाल्यम, बेंगलूर में बेधर लोगों की गणना



प्रचारात्मक उपाय - बेंगलूर में जनगणना संबंधी होर्डिंग

OF INDIA LIBRARY



ORGI Library
44754
MGIPCBE - CRC - 3 / DCO / KARNATAKA /